धोनी 2 हफ्ते IPL से बाहर रह सकते हैं

Page-04

भारतवर्ष
सच्ची खबर, सीधे आपके लिए

अक्षय खन्ना का 51वां जन्मदिन कमबैक के लिए मशहूर अभिनेता

Page-05

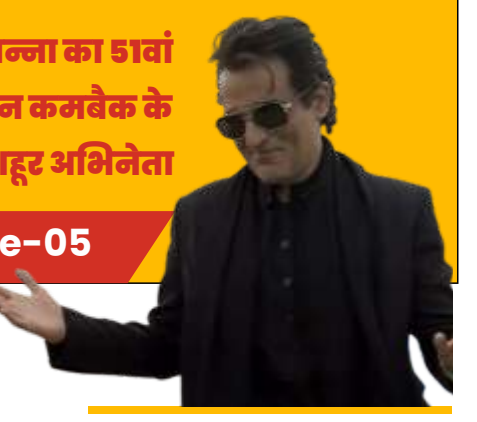

आईपीएल 2026 का शानदार आगाज

आरसीबी ने सनराइजर्स हैदराबाद को 6 विकेट से हराया

राष्ट्रीय, टीवी भारतवर्ष

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने सनराइजर्स हैदराबाद को आईपीएल 2026 के पहले मुकाबले में 6 विकेट से हराकर टूर्नामेंट की शानदार शुरुआत की। बंगलूरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेले गए इस मैच में विराट कोहली और देवदत्त पडिक्कल ने तूफानी अर्धशतक जड़कर टीम की जीत में अहम भूमिका निभाईटॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी हैदराबाद की टीम ने ईशान किशन (80 रन) और अनिकेत वर्मा (43 रन) की शानदार पारियों की मदद से 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 201 रन का बड़ा स्कोर खड़ा किया।जवाब में आरसीबी ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए महज 15.4 ओवर में 4 विकेट खोकर 203 रन बना लिए और मुकाबला आसानी से अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ ही गत विजेता आरसीबी ने अपने खिताब बचाने के अभियान की दमदार शुरुआत कर दी है।

खाद्य तेल और प्लास्टिक सामान की कीमतों में उछाल

राष्ट्रीय, टीवी भारतवर्ष

खाड़ी देशों में चल रहे संघर्ष का असर अब भारत के बाजार पर साफ दिखाई देने लगा है, जहां खाद्य तेल और प्लास्टिक उत्पादों की कीमतों में तेज बढ़ोतरी दर्ज की गई है। थोक व्यापारियों के मुताबिक, पिछले एक सप्ताह में रसोई में इस्तेमाल होने वाले तेलों के दाम 140 से 300 रुपए प्रति टिन (13–15 किलो) तक बढ़ गए हैं, वहीं डिस्पोजल सामान के दाम भी प्रति बंडल 5 से 10 रुपए तक बढ़कर 15 से 20 रुपए तक पहुंच गए हैं। भारत बड़ी मात्रा में खाद्य तेल आयात करता है, जिसका बड़ा हिस्सा खाड़ी क्षेत्र से होकर आता है, लेकिन मौजूदा हालात के चलते सप्लाई प्रभावित हो रही है और समुद्री मार्गों पर खतरा बढ़ने से माल ढुलाई महंगी हो गई है। इसके अलावा कच्चे तेल की कीमतों में उछाल के कारण ट्रांसपोर्ट और पैकेजिंग लागत बढ़ गई है, जिससे प्लास्टिक बोतलें और डिस्पोजल उत्पाद भी महंगे हो गए हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में पाम ऑयल और सोयाबीन ऑयल की कीमतों में तेजी, आयातित प्लास्टिक ग्रेन्यूल की महंगाई और व्यापारियों द्वारा सीमित स्टॉक रखने जैसी वजहों ने मिलकर बाजार में कीमतों को और ऊपर धकेल दिया है।विशेषज्ञों का मानना है कि अगर खाड़ी क्षेत्र में हालात जल्द सामान्य नहीं हुए, तो आने वाले दिनों में कीमतों में और उछाल देखने को मिल सकता है। इसका सीधा असर आम आदमी की रसोई पर पड़ेगा, जहां पहले से ही महंगाई का दबाव बना हुआ है। छोटे व्यापारियों और होटल-रेस्तरां कारोबार पर भी इसका असर पड़ने लगा है, क्योंकि बढ़ती लागत के चलते उन्हें कीमतें बढ़ानी पड़ रही हैं। सरकार की ओर से भी स्थिति पर नजर रखी जा रही है और जरूरत पड़ने पर आयात नीति या टैक्स में बदलाव जैसे कदम उठाए जा सकते हैं, ताकि बाजार में स्थिरता लाई जा सके।

अमित शाह ने ममता सरकार पर पेश की चार्जशीट

राष्ट्रीय, टीवी भारतवर्ष

पश्चिम बंगाल में आगामी विधानसभा चुनाव से पहले राजनीतिक माहौल काफी गरमा गया है, जहां केंद्र सरकार और राज्य की तृणमूल कांग्रेस सरकार के बीच टकराव तेज हो गया है। इसी बीच अमित शाह ने ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली सरकार के खिलाफ 14 आरोपों वाली चार्जशीट जारी कर सियासी हमला बोला है। इस चार्जशीट में भ्रष्टाचार, कानून-व्यवस्था की स्थिति, महिला सुरक्षा और प्रशासनिक विफलताओं जैसे कई गंभीर मुद्दों को उठाया गया है।कोलकाता में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा कि पश्चिम बंगाल ऐसा राज्य बन गया है जहां से घुसपैठिए देश में प्रवेश कर रहे हैं और इससे राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरा पैदा हो रहा है। उन्होंने दावा किया कि राज्य की सीमाओं के जरिए हो रही घुसपैठ पूरे देश में अस्थिरता का कारण बन रही है और यह मुद्दा चुनाव के नतीजों से भी जुड़ा हुआ है।

होर्मुज स्ट्रेट में तनाव के बीच भारत-बाउंड जहाजों की आवाजाही

अंतर्राष्ट्रीय, टीवी भारतवर्ष

मध्य पूर्व में बढ़ते सुरक्षा तनाव के बीच स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से भारत के लिए पेट्रोलियम उत्पाद लेकर जा रहे दो व्यापारी जहाज फिलहाल पारगमन कर रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक, जरूरत पड़ने पर सहायता के लिए भारतीय नौसेना के युद्धपोत स्टैंडबाय पर तैनात हैं। क्षेत्र में सुरक्षा हालात के चलते केवल चुनिंदा जहाजों को ही गुजरने की अनुमति दी जा रही है, जबकि कई अन्य जहाज अब भी क्लियरेंस का इंतजार कर रहे हैं और आसपास के समुद्री क्षेत्र में रुके हुए हैं।हाल के दिनों में इस महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग से जहाजों की आवाजाही काफी सीमित रही है। कुछ जहाज सफलतापूर्वक पार कर पाए हैं, जबकि कई को देरी या वैकल्पिक मार्ग अपनाने पर मजबूर होना पड़ा। इसी बीच ईरान ने अपने पांच मित्र देशों—भारत, चीन और रूस सहित—के जहाजों को इस मार्ग से गुजरने की अनुमति दी है, जिसके बाद भारत-बाउंड जहाजों की आवाजाही संभव हो सकी है।इस महीने की शुरुआत में एलपीजी कैरियर "शिवालिक" और "नंदा देवी" समेत कई जहाज इस मार्ग से गुजर चुके हैं, जिनमें से एक को पारगमन के दौरान सहायता भी मिली थी।

दिल्ली IGI एयरपोर्ट पर इंडिगो फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग, सभी यात्री सुरक्षित

राष्ट्रीय, टीवी भारतवर्ष

दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर शनिवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया, जब IndiGo की एक फ्लाइट को इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। यह विमान विशाखापट्टनम से दिल्ली आ रहा था और रास्ते में इंजन में तकनीकी खराबी की आशंका सामने आई।जानकारी के मुताबिक, दिल्ली के नजदीक पहुंचने पर पायलट को इंजन में संदिग्ध समस्या का अंदेशा हुआ, जिसके बाद तुरंत एयर ट्रैफिक कंट्रोल (ATC) को इमरजेंसी कॉल दी गई। इसके बाद रनवे नंबर 28 को लैंडिंग के लिए तैयार किया गया, जहां विमान को सुरक्षित उतार लिया गया।दिल्ली फायर सर्विस के अनुसार, सुबह 10:53 बजे इमरजेंसी लैंडिंग की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही दमकल की कई गाड़ियां तुरंत मौके पर भेजी गईं। अधिकारियों ने पुष्टि की है कि विमान सुरक्षित रूप से उतर चुका है और सभी यात्री पूरी तरह सुरक्षित हैं, किसी भी तरह की जनहानि नहीं हुई है। बता दें कि इंडिगो भारत की सबसे बड़ी एयरलाइनों में से एक है, जिसकी स्थापना 2006 में हुई थी। कम किराया और समय की पाबंदी के कारण यह आम लोगों के बीच काफी लोकप्रिय है, और इसका मुख्य केंद्र दिल्ली का IGI एयरपोर्ट ही है।

जेवर में नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का भव्य उद्घाटन

उत्तर प्रदेश को मिला 5वां अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट

राष्ट्रीय, टीवी भारतवर्ष

नरेंद्र मोदी ने आज उत्तर प्रदेश के गौतम बुद्ध नगर स्थित नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पहले चरण का उद्घाटन किया। इस दौरान प्रधानमंत्री ने एयरपोर्ट के कार्गो टर्मिनल का भी शुभारंभ किया और MRO (एयरक्राफ्ट मेंटेनेंस, रिपेयर और ओवरहॉल) सुविधा का शिलान्यास किया।इस एयरपोर्ट के शुरू होने के साथ ही उत्तर प्रदेश देश के उन राज्यों में शामिल हो गया है, जहां सबसे अधिक अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट हैं। यह राज्य का पांचवां अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट है, जिससे नोएडा, ग्रेटर नोएडा के साथ-साथ अलीगढ़, मथुरा, आगरा, दिल्ली, गाजियाबाद और फरीदाबाद जैसे शहरों को सीधा लाभ मिलेगा।प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि उनके लिए यह दोहरी गर्व की बात है—पहला, उन्हें इस एयरपोर्ट का शिलान्यास करने और अब उद्घाटन करने का मौका मिला, और दूसरा, जिस उत्तर प्रदेश ने उन्हें सांसद बनाया, उसी राज्य के साथ इस भव्य परियोजना का नाम जुड़ गया है।उन्होंने यह भी कहा कि यह एयरपोर्ट क्षेत्र में रोजगार के नए अवसर पैदा करेगा और निवेश को बढ़ावा देगा। साथ ही, इससे उत्तर भारत में हवाई कनेक्टिविटी मजबूत होगी और आर्थिक विकास को नई गति मिलेगी।प्रधानमंत्री ने यह भी जोर दिया कि आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर देश की प्रगति का अहम आधार है।उन्होंने कहा कि इस तरह की परियोजनाएं भारत को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने में मदद करेंगी।साथ ही, स्थानीय उद्योग और पर्यटन क्षेत्र को भी इस एयरपोर्ट से बड़ा लाभ मिलने की उम्मीद जताई गई है।

PM मोदी ने नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा का उद्घाटन किया

दिल्ली-एनसीआर में यात्री और कार्गो कनेक्टिविटी बढ़ेगी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा का उद्घाटन किया, जो दिल्ली-एनसीआर का दूसरा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा है। यह परियोजना यात्रियों और कार्गो सेवाओं के लिए आधुनिक सुविधाएँ प्रदान करेगी, दिल्ली आईजीआई हवाई अड्डे पर भीड़ कम करेगी और व्यापार, रोजगार और क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देगी।

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा का उद्घाटन किया। उन्होंने इस अवसर पर कहा कि नया हवाई अड्डा न केवल यात्रियों के लिए सुविधाजनक होगा, बल्कि व्यापार, कनेक्टिविटी और क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को भी महत्वपूर्ण रूप से बढ़ावा देगा। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि जेवर हवाई अड्डा दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आईजीआई) हवाई अड्डे पर भीड़ कम करने में मदद करेगा और दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र के लिए एक नया विमानन केंद्र स्थापित करेगा।नोएडा हवाई अड्डा देश की प्रमुख हरित परियोजनाओं में से एक है। इसमें यात्रियों के लिए आधुनिक सुविधाओं के साथ-साथ एक मजबूत कार्गो प्रणाली भी विकसित की गई है, जो लॉजिस्टिक्स और व्यापार क्षेत्र को बढ़ावा देने में सहायक होगी। प्रधानमंत्री ने बताया कि यह परियोजना राज्य की सबसे महत्वाकांक्षी और रणनीतिक हवाई अड्डा परियोजनाओं में शामिल है।उद्घाटन से पहले सुबह ही नोएडा के जेवर में उत्सवपूर्ण माहौल देखने को मिला। कार्यक्रम स्थल पर बड़ी संख्या में लोग जमा हुए, जिन्होंने इस ऐतिहासिक पल को देखने के लिए दूर-दूर से आने का निर्णय लिया। कानपुर के शंख वादक, महोबा के ढोल वादक और विभिन्न हिस्सों से आए तुरही वादक और नर्तक कार्यक्रम में शामिल हुए, जिससे उत्सव का माहौल और भी बढ़ गया। कई लोग राष्ट्रीय ध्वज लेकर उपस्थित थे, जबकि कुछ लोगों के हाथों में भाजपा के झंडे भी नजर आए।नोएडा हवाई अड्डे को दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र के दूसरे अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के रूप में विकसित किया गया है। अधिकारियों के अनुसार, हवाई अड्डे का आरंभिक चरण प्रति वर्ष 12 मिलियन यात्रियों के आवागमन की क्षमता रखता है। भविष्य में निर्माण कार्य पूरा होने पर इसकी क्षमता बढ़कर प्रति वर्ष 70 मिलियन यात्रियों तक पहुँच सकती है। हवाई अड्डे के शुरू होने से दिल्ली-एनसीआर में भीड़ कम होगी और वैश्विक विमानन नेटवर्क में क्षेत्र की स्थिति मजबूत होगी। यह हवाई अड्डा स्मार्ट तकनीक, यात्रियों की सुविधा, स्थिरता और उच्च कनेक्टिविटी के लिए डिज़ाइन किया गया है और आने वाले वर्षों में भारत का प्रमुख विमानन केंद्र बनने की पूरी क्षमता रखता है। नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा केवल यात्री सेवा का केंद्र नहीं है। इसके संचालन से क्षेत्र में व्यापार को बढ़ावा, रोजगार सृजन और स्थानीय अर्थव्यवस्था का विकास संभव होगा। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि यह परियोजना भारत में हवाई यात्रा के भविष्य का प्रतीक है और इसे विकसित करने में स्थानीय और राष्ट्रीय हित दोनों को ध्यान में रखा गया है। नए हवाई अड्डे से न केवल यात्रा अनुभव बेहतर होगा, बल्कि दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र के आर्थिक परिदृश्य में बदलाव आने की उम्मीद भी है। स्मार्ट सुविधाओं, कार्गो और लॉजिस्टिक्स के माध्यम से यह हवाई अड्डा व्यापारियों और उद्योगपतियों के लिए नए अवसर खोलेगा। कुल मिलाकर, नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा यात्रा, व्यापार और क्षेत्रीय विकास में एक नया मील का पत्थर साबित होगा। प्रधानमंत्री मोदी के अनुसार, यह परियोजना देश की हवाई यात्रा क्षमता और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा को बढ़ाने में अहम भूमिका निभाएगी।

पाकिस्तान और IMF ने 1.2 अरब डॉलर के समझौते पर बनाई सहमति

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

पाकिस्तान और अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) ने दो अलग-अलग व्यवस्थाओं के तहत लगभग 1.2 अरब डॉलर के लिए एक प्रारंभिक समझौता किया है। IMF ने शनिवार को बताया कि पाकिस्तान के अधिकारियों और I M F प्रतिनिधिमंडल के बीच विस्तारित कोष सुविधा (E F F) की तीसरी समीक्षा और जलवायु परिवर्तन एवं पर्यावरण अनुकूल पहलों से जुड़ी रेजिलिएंस एंड सस्टेनेबिलिटी फैसिलिटी (R S F) की दूसरी समीक्षा सफलतापूर्वक संपन्न हो गई है।IMF के प्रतिनिधिमंडल ने 25 फरवरी से 2 मार्च तक कराची और इस्लामाबाद में पाकिस्तानी अधिकारियों के साथ बातचीत की थी। उस समय कोई अंतिम समझौता नहीं हो पाया था, लेकिन बातचीत बाद में ऑनलाइन जारी रही। अंततः मुद्राकोष और पाकिस्तान सरकार के बीच सहमति बन गई। पाकिस्तान के वित्त मंत्रालय ने भी पुष्टि की कि 37 महीने की EFF व्यवस्था और 28 महीने की RSF व्यवस्था की समीक्षा पर दोनों पक्षों ने सहमति व्यक्त की है। IMF की मिशन प्रमुख इवा पेट्रोवा ने कहा कि बोर्ड की मंजूरी मिलने के बाद पाकिस्तान को EFF के तहत लगभग 1 अरब डॉलर और RSF के तहत करीब 21 करोड़ डॉलर की राशि मिल सकेगी।पाकिस्तान 2024 में IMF के सात अरब डॉलर के EFF कार्यक्रम का हिस्सा बना था, जिसका उद्देश्य देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करना, बाजार में विश्वास बहाल करना, राजकोषीय सुधारों को बनाए रखना और ऊर्जा क्षेत्र की अक्षमताओं को कम करना है। पिछले वर्ष, पाकिस्तान को जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों का सामना करने, आपदा प्रबंधन को मजबूत करने, जल दक्षता सुधारने और हरित वित्तपोषण बढ़ाने के उद्देश्य से RSF के तहत 1.4 अरब डॉलर की सुविधा प्राप्त हुई थी।इस समझौते से पाकिस्तान की वित्तीय स्थिति में स्थिरता आने की उम्मीद है और यह देश की आर्थिक सुधारों और जलवायु अनुकूल पहलों के लिए एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

इंजन में खराबी, लेकिन पायलटों की कुशलता ने टाला बड़ा हादसा

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

शनिवार को दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय (आईजीआई) हवाई अड्डे पर विशाखापत्तनम से आ रही इंडिगो की फ्लाइट के इंजन में तकनीकी खराबी की आशंका के चलते पूर्ण आपातकाल घोषित कर दिया गया। हवाई अड्डे का रनवे 28 हाई अलर्ट पर रखा गया और सभी आपातकालीन प्रोटोकॉल तुरंत लागू किए गए। फ्लाइट में 161 यात्री सवार थे। सुबह करीब 10:53 बजे आपातकालीन लैंडिंग की सूचना मिलने के बाद एयरपोर्ट की सभी एजेंसियां अलर्ट पर आ गईं और दमकल गाड़ियां मौके पर तैनात की गईं। इंडिगो एयरलाइंस के प्रवक्ता ने बताया कि टेकऑफ़ और लैंडिंग के दौरान तकनीकी खराबी का पता चला, जिसके कारण पायलटों ने प्राथमिकता के आधार पर सुरक्षित लैंडिंग का अनुरोध किया। सुरक्षा प्रक्रियाओं के अनुसार, विमान सुबह 11 बजे आईजीआई हवाई अड्डे पर सुरक्षित रूप से उतर गया और सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। अधिकारियों ने बताया कि विमान में किसी तरह की चोट या नुकसान की कोई जानकारी नहीं है।इंडिगो की इस आपातकालीन लैंडिंग ने एयरपोर्ट पर सुरक्षा एजेंसियों और प्रशासन की तत्परता को परखा। अधिकारी ने कहा कि

एहतियाती कदम और मानक संचालन प्रक्रियाओं के तहत पायलटों ने तुरंत निर्णय लिया, जिससे बड़ा हादसा टल गया।गौरतलब है कि इसी महीने की शुरुआत में हैदराबाद से फुकेत जा रही एयर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट का भी हार्ड लैंडिंग के दौरान पहिया टूट गया था। उस घटना में विमान कुछ घंटों तक रनवे पर फंसा रहा, जिससे हवाई अड्डे का संचालन अस्थायी रूप से प्रभावित हुआ था। आईजीआई अधिकारियों ने कहा कि सभी फ्लाइट ऑपरेशंस सामान्य हैं और यात्रियों की सुरक्षा हमेशा सर्वोच्च प्राथमिकता है। इंडिगो एयरलाइंस ने भी सुनिश्चित किया कि तकनीकी खराबी की पूरी जांच की जाएगी और भविष्य में ऐसे जोखिम कम करने के उपाय किए जाएंगे।

मेक इन इंडिया का बड़ा कदम

Adani Defence ने सेना को दी 2000 'प्रहार' LMG

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

देश की एक प्रमुख रक्षा कंपनी ने शनिवार को भारतीय सेना को 'मेक इन इंडिया' पहल के तहत निर्मित 2,000 'प्रहार' लाइट मशीन गन (LMG) की पहली खेप सौंप दी। यह LMG 7.62 एमएम कैलिबर की है और इसे अदाणी डिफेंस एंड एयरोस्पेस ने ग्वालियर के बाहरी क्षेत्र स्थित अपने लघु अस्त्र परिसर में तैयार किया है। इस मौके पर परिसर में आयोजित समारोह में रक्षा मंत्रालय के महानिदेशक (खरीद) ए. अंबरासु, कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी आशीष राजवंशी और अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।समारोह में अंबरासु ने सेना के लिए तैयार एलएमजी की पहली खेप ले जा रहे ट्रकों को हरी झंडी दिखाई। इस अवसर पर राजवंशी ने पत्रकारों से कहा कि इस परियोजना को पूरा करने में छह साल लगे, जिसमें बोली जमा करने से लेकर उत्पादन तक का समय शामिल है। उन्होंने बताया कि कंपनी ने इसे तय समय से 11 महीने पहले पूरा कर दिया।राजवंशी ने यह भी कहा कि मूल समयसीमा सात साल से अधिक की थी, लेकिन कंपनी अगले तीन सालों में पूरा ऑर्डर उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। कंपनी के एक प्रवक्ता ने बताया कि एलएमजी के कुल ऑर्डर में लगभग 40,000 हथियार शामिल हैं।

अंबरासु ने तय समय से पहले पहली खेप उपलब्ध कराने के लिए कंपनी की सराहना की और कहा कि सरकार रक्षा उद्योग के भागीदारों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम कर रही है।

ईरान ने सऊदी अरब एयरबेस पर किया जवाबी हमला

अमेरिकी सैनिक घायल

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

अबू धाबी के अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि केज़ाद इंडस्ट्रियल एरिया में लगी दो आग में कम से कम पांच भारतीय नागरिक घायल हो गए। आग मिसाइल के मलबे के कारण भड़की, जिसे रोके जाने के बाद गिरी मलबे से आग लगी। आग की घटना वैश्विक तनाव और क्षेत्रीय सैन्य गतिविधियों के बीच हुई। इससे पहले शुक्रवार को इज़राइल ने ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमला किया। यह हमला तेहरान के खिलाफ अपने अभियान को "तेज़ और विस्तारित" करने की धमकी के कुछ ही घंटों बाद हुआ। ईरान ने जवाबी कार्रवाई की चेतावनी दी और सऊदी अरब में एक अमेरिकी एयरबेस पर हमला किया, जिसमें कम से कम 12 अमेरिकी सैनिक घायल हुए। दो सैनिकों की हालत गंभीर बताई गई है, जबकि कई ईंधन भरने वाले विमान भी क्षतिग्रस्त हो गए।युद्ध के एक महीने बाद, थोड़ी राहत की खबर आई है। ईरान ने संयुक्त राष्ट्र के अनुरोध पर होर्मुज जलडमरूमध्य के माध्यम से मानवीय सहायता और कृषि सामग्री की आवाजाही की अनुमति दी। ईरानी राजदूत अली बहरेनी ने जिनेवा में कहा कि इस आवाजाही को "सुगम और त्वरित" बनाने पर सहमति दी गई

है। होर्मुज जलडमरूमध्य वैश्विक व्यापार और ऊर्जा आपूर्ति के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह जलमार्ग दुनिया के लगभग एक-पाँचवें तेल शिपमेंट और एक-तिहाई उर्वरक व्यापार को संभालता है। हाल ही में जारी संघर्ष ने तेल और प्राकृतिक गैस की आपूर्ति के साथ-साथ उर्वरक व्यापार और वैश्विक खाद्य सुरक्षा को भी प्रभावित किया है। संयुक्त राष्ट्र ने युद्ध के कारण मानवीय सहायता वितरण पर पड़ने वाले प्रभावों को देखते हुए कार्यबल की स्थापना की थी। बहरेनी ने कहा कि ईरान इस कदम के माध्यम से मानवीय प्रयासों का समर्थन कर रहा है और यह सुनिश्चित कर रहा है कि आवश्यक सहायता जरूरतमंदों तक बिना देरी पहुंचे।इस बीच, केज़ाद में लगी आग ने अंतरराष्ट्रीय आपूर्ति और सुरक्षा मामलों पर भी चिंता बढ़ा दी है। आग से प्रभावित भारतीय नागरिकों को स्थानीय अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया। अधिकारियों ने घटना की पूरी जांच शुरू कर दी है और राहत कार्य एवं सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ किया जा रहा है। इस घटना ने क्षेत्रीय तनाव, वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा और मानवीय सहायता की जरूरतों के बीच जटिल स्थिति को फिर से उजागर किया है।

संपादक की कलम से

युवा शक्ति देश की सबसे बड़ी पूंजी मानी जाती है। यदि इस ऊर्जा को सही दिशा में लगाया जाए, तो भारत विकास के नए आयाम स्थापित कर सकता है। लेकिन यदि यह शक्ति दिशाहीन हो जाए, तो यह सामाजिक और आर्थिक समस्याओं का कारण भी बन सकती है।आज के युवाओं के सामने अनेक अवसर हैं। शिक्षा, तकनीक, स्टार्टअप और नवाचार के क्षेत्र में नए रास्ते खुले हैं। डिजिटल इंडिया और आत्मनिर्भर भारत जैसे अभियानों ने युवाओं को आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया है। अब युवा केवल नौकरी तलाशने वाले नहीं, बल्कि रोजगार सृजन करने वाले भी बन रहे हैं। यह बदलाव देश की अर्थव्यवस्था के लिए सकारात्मक संकेत है। हालांकि, इसके साथ ही कई चुनौतियाँ भी मौजूद हैं। बेरोजगारी, कौशल की कमी और शिक्षा की गुणवत्ता जैसे मुद्दे अभी भी चिंता का विषय हैं। कई बार युवा सही मार्गदर्शन के अभाव में अपनी क्षमता का पूरा उपयोग नहीं कर पाते। इसके अलावा, सोशल मीडिया और गलत संगति का प्रभाव भी युवाओं को भटका सकता है।युवाओं को केवल डिग्री हासिल करने तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि उन्हें अपने कौशल का विकास करना चाहिए। व्यावहारिक ज्ञान, तकनीकी दक्षता और नैतिक मूल्यों का संतुलन ही उन्हें सफल बना सकता है। शिक्षा प्रणाली को भी इस दिशा में सुधार करने की आवश्यकता है, ताकि वह केवल सैद्धांतिक ज्ञान ही नहीं, बल्कि जीवनोपयोगी कौशल भी प्रदान करे।सरकार की जिम्मेदारी है कि वह युवाओं के लिए अधिक रोजगार के अवसर उत्पन्न करे और उन्हें प्रशिक्षण के बेहतर साधन उपलब्ध कराए। विभिन्न कौशल विकास योजनाएँ इस दिशा में एक सकारात्मक कदम हैं, लेकिन इनका प्रभाव तभी दिखेगा जब इन्हें प्रभावी ढंग से लागू किया जाए। इसके साथ ही, समाज और परिवार की भी महत्वपूर्ण भूमिका होती है। युवाओं को प्रोत्साहन, मार्गदर्शन और सही वातावरण मिलना चाहिए, ताकि वे अपनी प्रतिभा को पहचान सकें और उसे निखार सकें। एक आत्मविश्वासी और जागरूक युवा ही देश के उज्ज्वल भविष्य की नींव रख सकता है। अंततः, यह कहना गलत नहीं होगा कि भारत का भविष्य उसके युवाओं के हाथों में है। यदि युवा अपनी जिम्मेदारियों को समझें और सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ें, तो देश को विकसित राष्ट्र बनने से कोई नहीं रोक सकता। इसलिए, आवश्यक है कि युवा शक्ति को सही दिशा, उचित अवसर और मजबूत समर्थन मिले, ताकि वे राष्ट्र निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकें।

DMK ने चुनावी बिसात बिछाई

स्टालिन की पहली लिस्ट में बड़े नेताओं का जोरदार स्वागत

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और डीएमके प्रमुख एम.के. स्टालिन ने विधानसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की। पार्टी 164 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। कांग्रेस, डीएमडीके, वीसीके और वामपंथी दलों को सीटें आवंटित की गई हैं। प्रमुख नेताओं को महत्वपूर्ण सीटों से उतारा गया है, और गठबंधन मजबूत रणनीति के साथ चुनावी मैदान में है।

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और डीएमके प्रमुख एम.के. स्टालिन ने शनिवार को आगामी विधानसभा चुनाव के लिए अपनी पार्टी के उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की। इस सूची में कई प्रमुख चेहरों के नाम शामिल हैं। बोदिनायक्कनूर सीट से ओ. पन्नीरसेल्वम को और कोयंबटूर दक्षिण से पूर्व मंत्री सेंथिल बालाजी को पार्टी ने मैदान में उतारा है। मुख्यमंत्री स्टालिन को कोलाथुर से और उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन को चेपॉक-ट्रिप्लिकेन से पुनः नामांकित किया गया है।डीएमके ने घोषणा की कि वह तमिलनाडु विधानसभा की कुल 234 सीटों में से 164 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। इसके अतिरिक्त, उनके सहयोगी दलों को भी सीटें वितरित की गई हैं। कांग्रेस को 28 सीटें, डीएमडीके को 10, वीसीके को 8 और वामपंथी दल सीपीआई और सीपीएम को पांच-पांच सीटें दी गई हैं। इस प्रकार, डीएमके धर्मनिरपेक्ष प्रगतिशील गठबंधन (एसपीए) के तहत तमिलनाडु में अपनी चुनावी स्थिति मजबूत कर रही है। कांग्रेस को आवंटित 28 सीटों में पोन्नेरी, इरोड ईस्ट, विलावनकोड, शिवकाशी और कराईकुडी शामिल हैं। डीएमडीके के नेतृत्व में प्रेमलता विजयकांत को पहले ही 10 सीटें मिल चुकी हैं, जिनमें वृद्धाचलम और पल्लावरम शामिल हैं। थोल थिरुमावलवन के नेतृत्व वाली विदुथलाई चिरुथिगल काची (वीसीके) को 8 सीटें दी गई हैं, जिनमें कट्टुमन्नारकोइल, पनरुत्ती और तिंडीवनम शामिल हैं। वामपंथी दलों के लिए भी सीटें निर्धारित की गई हैं। सीपीआई(एम) को पद्मनाभपुरम और पलानी सीटें मिली हैं, जबकि सीपीआई थल्ली और भवानीसागर (एससी) सहित अन्य पांच सीटों पर चुनाव लड़ेगी।इसके अलावा, अन्य सहयोगी दलों के लिए भी सीटें तय की गई हैं। वाइको के नेतृत्व वाली एमडीएमके को 4 सीटें मिली हैं, जिनमें से तीन सीटों पर डीएमके के 'उगते सूरज' चिन्ह का उपयोग होगा। एमडीएमके को मदुरै दक्षिण सीट भी आवंटित की गई है।इस सूची से यह स्पष्ट होता है कि डीएमके अपने प्रमुख नेताओं और सहयोगी दलों के प्रतिनिधियों को विभिन्न क्षेत्रों में उतारकर चुनावी रणनीति को संतुलित कर रही है। स्टालिन ने कहा कि पार्टी राज्य में विकास और स्थिरता की दिशा में काम करने की अपनी प्रतिबद्धता के साथ चुनावी मैदान में उतरेगी। उन्होंने यह भी जोर दिया कि गठबंधन के सहयोगी दलों के साथ मिलकर डीएमके समाज के सभी वर्गों तक अपनी नीतियों और योजनाओं को पहुंचाएगी। इस चुनाव में डीएमके का मुख्य फोकस राज्य के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में अपने मजबूत आधार को बनाए रखने और नई सीटों पर जीत हासिल करने पर होगा। पार्टी ने इस सूची में शामिल उम्मीदवारों के अनुभव और लोकप्रियता को ध्यान में रखते हुए चुनावी रणनीति बनाई है। विशेष रूप से पूर्व मंत्री सेंथिल बालाजी और ओ. पन्नीरसेल्वम जैसे नेता महत्वपूर्ण सीटों पर उतरे हैं, जो पार्टी की स्थिति को और मजबूत कर सकते हैं।इस प्रकार, आगामी विधानसभा चुनाव में डीएमके और उसके गठबंधन की रणनीति स्पष्ट है: पार्टी प्रमुख नेताओं और अनुभवी उम्मीदवारों के माध्यम से विधानसभा में अधिक सीटें जीतकर राज्य में सरकार बनाने की दिशा में कदम बढ़ाएगी। कुल मिलाकर, इस सूची ने आगामी चुनाव में डीएमके के व्यापक चुनावी गठबंधन और रणनीतिक दृष्टिकोण को दर्शाया है, जिसमें वरिष्ठ नेताओं के साथ-साथ सहयोगी दलों को संतुलित रूप से शामिल किया गया है।

अमित शाह का बंगाल में बड़ा हमला: घुसपैठ और अराजकता पर सख्त चेतावनी

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

केंद्रीय गृह मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता अमित शाह ने बंगाल में जनसभा को संबोधित करते हुए राज्य की सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (TMC) और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी जितना रोना-धोना चाहें, कर लें, लेकिन भाजपा सभी घुसपैठियों को न केवल मतदाता सूची से हटाएगी, बल्कि उन्हें देश से बाहर भी करेगी। अमित शाह ने कहा कि बंगाल में चुनाव की घोषणा हो चुकी है और प्रदेश अध्यक्ष के नेतृत्व में सभी भाजपा कार्यकर्ता भाजपा की सरकार बनाने के संकल्प के साथ चुनावी मैदान में उतर चुके हैं। उन्होंने यह भी कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा के लिहाज से बंगाल का यह चुनाव बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि पूरे पूर्वी क्षेत्र की सुरक्षा बंगाल से जुड़ी हुई है। उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि असम में भाजपा सरकार बनने के बाद घुसपैठ लगभग खत्म हो गई, और अब केवल बंगाल के रास्ते ही घुसपैठियों को देश में प्रवेश करने का मौका मिलता है। उन्होंने विपक्षी नेता शुभेंदु अधिकारी की कोशिशों की भी सराहना की, जिन्होंने चुनाव से पहले पूरे राज्य का दौरा कर बंगाल में फैली अव्यवस्था, अराजकता, आर्थिक पिछड़ापन और घुसपैठ के मुद्दों को जनता तक पहुंचाया। अमित शाह ने कहा कि आगामी चुनाव में बंगाल को डर और भरोसे में से किसी एक को चुनना होगा। भाजपा नेता ने तृणमूल कांग्रेस पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि पिछले 15 वर्षों से ममता बनर्जी की सरकार झूठ, डर और हिंसा की राजनीति करती रही है। उन्होंने जोर देकर कहा कि भाजपा इस बार राज्य में साफ-सुथरी और मजबूत सरकार बनाएगी, और इसके लिए सभी कार्यकर्ता जनता से पूर्ण सहयोग लेंगे। अमित शाह का यह बयान भाजपा की चुनावी रणनीति और ममता बनर्जी के खिलाफ आक्रामक रुख को स्पष्ट रूप से दर्शाता है, जिसमें सुरक्षा, घुसपैठ और प्रशासनिक अव्यवस्था जैसे मुद्दे मुख्य आधार बन रहे हैं।

भाजपा डर के जरिए जीतना चाहती है

ममता बनर्जी ने चुनावी तनाव को लेकर चेताया

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

तृणमूल कांग्रेस की नेता और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भाजपा पर तीखा हमला करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री के रूप में उनके सभी अधिकार और शक्तियां छीन ली गई हैं। उन्होंने रविवार को मुर्शिदाबाद जिले के रघुनाथगढ़ में राम नवमी के अवसर पर हुई हिंसा के लिए भाजपा को दोषी ठहराया और स्पष्ट किया कि उन्हें किसी भी तरह की जिम्मेदारी नहीं दी जानी चाहिए। ममता बनर्जी ने सभा को संबोधित करते हुए कहा, "मैं चुनी हुई मुख्यमंत्री हूं, लेकिन मेरी सारी शक्तियां छीन ली गई हैं। सभी अधिकारियों का तबादला कर दिया गया और भाजपा के लोग यहां भेजे गए। लेकिन वे नहीं जानते कि जीत हमारी ही होगी। रघुनाथगंज में दंगे भड़काए गए। दुकानों में तोड़फोड़ हुई और घरों में अवैध तरीके से घुसकर नुकसान पहुंचाया गया। इन सबका हिसाब देना होगा। "मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि बंगाल में अधिकारियों के मनमाने तबादले कर राज्य प्रशासन को पंगु बनाया गया, ताकि हिंसा और अशांति फैलाकर चुनावों से पहले माहौल बिगाड़ा जा सके। उन्होंने कहा, "भाजपा लोगों का दिल नहीं जीत सके, इसलिए डर और अराजकता फैलाकर जीतने की कोशिश कर रही है। हम किसी को भी माहौल को दूषित करने नहीं देंगे। गुंडागर्दी हमारी एकता को तोड़ नहीं पाएगी।" ममता बनर्जी ने बंगाल की समावेशिता और विविधता में एकता के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि राज्य हमेशा "सभी का धर्म, सभी के त्यौहार" के दर्शन पर चलता आया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि बंगाल में धर्म के नाम पर हिंसा और गुंडागर्दी को कभी बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने भाजपा पर आरोप लगाया कि वे चुनावी लाभ के लिए जानबूझकर तनाव और अशांति फैला रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य में चुनावों के दौरान प्रशासनिक ढांचा कमजोर करने के प्रयास किए जा रहे हैं। इसके बावजूद, तृणमूल कांग्रेस अपने लोगों की सुरक्षा और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सतर्क है। ममता ने जनता से अपील की कि वे

किसी भी तरह की अफवाहों या राजनीतिक उकसावे में न आएं और शांति बनाए रखें। राज्य में राजनीतिक तनाव के बीच ममता बनर्जी की यह प्रतिक्रिया भाजपा और विपक्षी दलों के बीच नई बहस को जन्म दे सकती है। रघुनाथगढ़ हिंसा और अधिकारियों के तबादले को लेकर जारी बहस आगामी चुनावों में सियासी लड़ाई को और तेज कर सकती है।

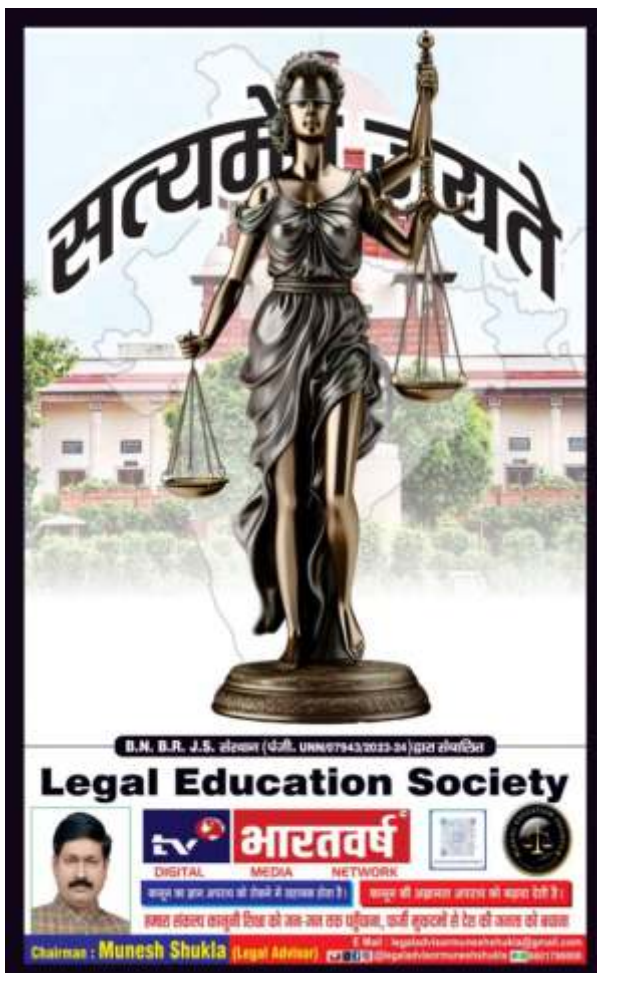

रुपये की मजबूती के लिए बाजार में बढ़ेगी डॉलर की सप्लाई

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (RBI) ने रुपये में लगातार गिरावट और विदेशी मुद्रा बाजार में बढ़ती अस्थिरता को देखते हुए बैंकों के लिए एक महत्वपूर्ण निर्देश जारी किया है। केंद्रीय बैंक ने कहा है कि अब बैंक प्रतिदिन अपने पास 100 मिलियन डॉलर (करीब 950 करोड़ रुपये) से अधिक विदेशी मुद्रा नहीं रख सकेंगे। इससे पहले बैंक 300 से 500 मिलियन डॉलर तक होल्ड कर रहे थे, जिससे बाजार में असंतुलन की स्थिति बन रही थी।RBI के इस फैसले का सीधा असर विदेशी मुद्रा बाजार पर पड़ेगा। विशेषज्ञों के अनुसार, जब बैंक अपने पास मौजूद अतिरिक्त डॉलर को बाजार में बेचेंगे, तो डॉलर की सप्लाई बढ़ेगी और रुपये को मजबूती मिलेगी। इसका फायदा आम लोगों को भी मिल सकता है, क्योंकि रुपया मजबूत होने पर विदेशी सामान, मोबाइल, लैपटॉप जैसे इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पाद, विदेश यात्रा और पढ़ाई अपेक्षाकृत सस्ती हो सकती है।यह फैसला ऐसे समय में लिया गया है जब भारतीय रुपया डॉलर के मुकाबले लगातार कमजोर हो रहा है। हाल ही में रुपया 94.59 प्रति डॉलर के स्तर तक गिर गया, जो अब तक का सबसे निचला स्तर है। पिछले 10 ट्रेडिंग सत्रों में से 5 बार रुपया अपने ऑल-टाइम लो पर पहुंचा है, जिससे बाजार में चिंता का माहौल बना हुआ है।RBI ने अपने निर्देश में बैंकों से कहा है कि वे हर कारोबारी दिन के अंत में ऑनशोर डिलीवरेबल मार्केट में अपनी नेट ओपन पोजिशन (NOP-INR) को 100 मिलियन डॉलर के भीतर सीमित रखें। इसका मतलब है कि बैंकों को अपने

विदेशी मुद्रा एक्सपोजर को नियंत्रित रखना होगा और अनियंत्रित ट्रेडिंग से बचना होगा।केंद्रीय बैंक ने सभी अधिकृत फॉरेन एक्सचेंज डीलर्स को इस नए नियम का पालन करने के लिए 10 अप्रैल तक का समय दिया है। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि इस कदम से बैंकों द्वारा डॉलर में ली जाने वाली बड़ी लॉन्ग पोजिशन (सट्टेबाजी) पर अंकुश लगेगा।एचडीएफसी सिक्योरिटीज के एफएक्स विश्लेषक दिलीप परमार के अनुसार, बैंक अक्सर बड़े फॉरेक्स पोर्टफोलियो रखते हैं, जिनमें से कुछ का उपयोग आर्बिट्राज यानी मुनाफाखोरी के लिए किया जाता है। जब ये पोजिशन बिना हेजिंग के होती हैं, तो बाजार में तेज उतार-चढ़ाव देखने को मिलता है। RBI का यह कदम ऐसे उतार-चढ़ाव को नियंत्रित करने में मदद करेगा और रुपए में अचानक गिरावट को रोक सकेगा।नेट ओपन पोजिशन (NOP) का मतलब उस विदेशी मुद्रा से है जिसे बैंक खरीदते या बेचते हैं लेकिन उसे हेज नहीं करते। पहले बैंकों को अपनी कुल पूंजी के 25% तक NOP रखने की छूट थी, लेकिन अब इसे सीधे 100 मिलियन डॉलर पर सीमित कर दिया गया है।विदेशी निवेशकों द्वारा भारतीय बाजार से लगातार पूंजी निकासी भी रुपये की कमजोरी का एक प्रमुख कारण है। विश्लेषकों का मानना है कि यदि यह प्रवृत्ति जारी रहती है और वैश्विक परिस्थितियां, जैसे भू-राजनीतिक तनाव, बनी रहती हैं, तो रुपया 95 या उससे भी नीचे 98 प्रति डॉलर तक जा सकता है।कुल मिलाकर, RBI का यह कदम रुपये को स्थिर करने, विदेशी मुद्रा बाजार में अनुशासन लाने और बैंकों की सट्टेबाजी गतिविधियों को सीमित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास माना जा रहा है। आने वाले दिनों में इसका प्रभाव बाजार और आम उपभोक्ताओं दोनों पर देखने को मिल सकता है।

नोवाक जोकोविच ने मोंटेकार्लो मास्टर्स से नाम वापस लिया

विश्व के तीसरे नंबर के टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने मियामी ओपन से दाहिने कंधे की चोट के कारण बाहर होने के बाद मोंटेकार्लो मास्टर्स टेनिस टूर्नामेंट से भी अपना नाम वापस ले लिया है। टूर्नामेंट आयोजकों ने शुक्रवार को इंस्टाग्राम पर यह घोषणा की और लिखा, "हम उन्हें शुभकामनाएं देते हैं और उम्मीद करते हैं कि वह जल्द ही कोर्ट पर वापसी करेंगे।"38 वर्षीय जोकोविच ने टूर्नामेंट से हटने का कारण स्पष्ट नहीं किया। हालांकि, दो सप्ताह पहले बीएनपी पारिबास ओपन के चौथे दौर में उन्होंने जैक ड्रेपर के खिलाफ तीन सेटों में हारने के बाद से कोई मैच नहीं खेला है। पिछले साल मोंटेकार्लो मास्टर्स में भी जोकोविच दूसरे दौर में एलेजांद्रो तबिलो से हार गए थे।24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन जोकोविच ने इस वर्ष अब तक कई प्रमुख टूर्नामेंट खेलें हैं, लेकिन लगातार चोट और मैच हार के बाद उनका खेल पर प्रभाव देखा जा रहा है। इस बार मोंटेकार्लो मास्टर्स में उनका नाम वापस लेने से टूर्नामेंट में प्रतिस्पर्धा और चुनौती दोनों प्रभावित हो सकती है।हालांकि जोकोविच ने मोंटेकार्लो से हटने पर कोई व्यक्तिगत टिप्पणी नहीं दी है, उनके प्रशंसक और टेनिस जगत के विशेषज्ञ उनकी जल्द वापसी की उम्मीद कर रहे हैं। टूर्नामेंट आयोजकों ने भी उनके स्वास्थ्य और रिकवरी को प्राथमिकता देते हुए उन्हें कोर्ट पर जल्द लौटने की शुभकामनाएं दी हैं।नोवाक जोकोविच की अनुपस्थिति मोंटेकार्लो मास्टर्स में खेल की रणनीति और अन्य खिलाड़ियों के लिए अवसर दोनों बदल सकती है। उनके बिना टूर्नामेंट में शीर्ष खिलाड़ी और उभरते सितारे अब और अधिक प्रतिस्पर्धी मुकाबले खेलेंगे। टूर्नामेंट में उनकी वापसी के समय और संभावित फिटनेस स्तर पर सभी की नजरें टिकी हुई हैं।

सरकार ने हटाया IPL 2026 का बैन

बांग्लादेश में लाइव प्रसारण की अनुमति

धोनी 2 हफ्ते IPL से बाहर रह सकते हैं

एमएस धोनी IPL 2026 के शुरुआती दो हफ्ते बाहर रह सकते हैं। चेन्नई सुपर किंग्स (CSK) के पूर्व कप्तान इस समय मांसपेशियों में खिंचाव के कारण रिहैब से गुजर रहे हैं। CSK की ओर से एक सोशल मीडिया पोस्ट में बताया कि उन्हें काफ स्ट्रेन, यानी पिंडली में खिंचाव है।अगर धोनी पूरे 2 हफ्ते यानि 14 दिन तक बाहर रहते हैं तो वो कम से कम 3 मैच नहीं खेल पाएंगे। CSK का पहला मैच 30 मार्च को गुवाहाटी में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ है। इसके बाद उसका अगला मैच 3 अप्रैल को चेन्नई में पंजाब किंग्स के खिलाफ है। टीम अपना तीसरा मैच 5 अप्रैल को डिफेंडिंग चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ उसके ही घर में खेलेगी, जिसका हर किसी को बेसब्री से इंतजार है। धोनी इन तीनों ही मैच से बाहर रह सकते हैं। उनकी वापसी 11 अप्रैल को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मुकाबले में हो सकती है। धोनी फिलहाल 44 साल के हैं। वे IPL 2026 के सबसे उम्रदराज खिलाड़ी हैं। पिछले सीजन ऋतुराज गायकवाड के चोटिल होने के बाद उन्हें बीच में ही चेन्नई की कप्तानी करनी पड़ी। उन्होंने टीम को 4 में से 3 मैचों में जीत दिलाई थी।IPL में सबसे ज्यादा मैच खेलने

वालों में महेंद्र सिंह धोनी पहले पायदान पर हैं। वे अब तक 278 मैच खेल चुके हैं। चेन्नई सुपर किंग्स को पांच बार खिताब जिताया है। 38.30 की औसत से 5439 रन बनाए हैं। इस दौरान धोनी ने 24 अर्धशतक भी लगाए हैं। उन्होंने विकेटकीपिंग में 47 स्टंपिंग और 154 कैच भी लपके हैं। धोनी IPL में 100 मैच जीतने वाले एकमात्र कप्तान हैं। उन्होंने IPL में सबसे ज्यादा 235 मैचों में कप्तानी की है। धोनी अपनी कप्तानी में टीम को 136 मैचों में जीत दिला चुके हैं, जबकि 97 में टीम को हार मिली। धोनी ने अपनी कप्तानी में CSK को 2023 में आखिरी बार चैंपियन बनाया था। इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर रोहित शर्मा हैं। उन्होंने 158 मैचों में कप्तानी की है और 87 मैच जीते हैं।

हॉकी वर्ल्ड कप से पहले गुरजंत सिंह ने

अंतर्राष्ट्रीय हॉकी से लिया संन्यास

भारतीय पुरुष हॉकी टीम के अनुभवी फॉरवर्ड गुरजंत सिंह ने शुक्रवार को अंतर्राष्ट्रीय हॉकी से संन्यास लेने का ऐलान किया। 2017 में भारत के लिए डेब्यू करने वाले 31 वर्षीय गुरजंत ने अपने करियर में 130 अंतर्राष्ट्रीय मैच खेले और 33 गोल दागे। उन्होंने आखिरी बार पिछले साल जून में भारत के लिए खेला था। गुरजंत ने यह घोषणा दिल्ली में हॉकी इंडिया सालाना पुरस्कार समारोह के दौरान की।अपने रिटायरमेंट के समय गुरजंत ने कहा, "मैंने यहां मौजूद दिग्गज खिलाड़ियों को देखकर हॉकी खेलना शुरू किया था और उनके साथ भारत के लिए खेलने का मेरा सपना पूरा हुआ। मेरा यह सफर बहुत अच्छा रहा और मैं टोक्यो ओलंपिक में ऐतिहासिक मेडल जीतने वाली टीम का हिस्सा रहा। इसके बाद पेरिस ओलंपिक 2024 में भी अपनी भूमिका निभाई। मैं बहुत खुशी और गर्व के साथ विदा ले रहा हूं।"गुरजंत सिंह को सबसे तेज अंतर्राष्ट्रीय गोल करने का रिकॉर्ड भी हासिल है। उन्होंने एफआईएच प्रो लीग 2020 में नीदरलैंड के खिलाफ केवल 13 सेकंड में गोल किया था। इस उपलब्धि ने उन्हें हॉकी के इतिहास में विशेष स्थान

दिलाया। गुरजंत ने यह भी कहा कि वह घरेलू हॉकी और लीग खेलते रहेंगे, लेकिन फिलहाल कोचिंग की योजना नहीं बना रहे हैं। उन्होंने बताया, "मैंने पिछले जून के बाद से अंतर्राष्ट्रीय हॉकी नहीं खेली है। इस साल हॉकी इंडिया लीग खेली और आगे भी खेलूंगा, लेकिन कोचिंग को लेकर अभी नहीं सोचा है।" गुरजंत सिंह का करियर भारतीय हॉकी के लिए प्रेरणादायक रहा। उनका योगदान विशेष रूप से टोक्यो ओलंपिक में 41 साल बाद ऐतिहासिक मेडल जीतने और टीम की ताकत बढ़ाने में यादगार रहेगा। उनके संन्यास से भारतीय हॉकी टीम एक अनुभवी खिलाड़ी को खो चुकी है, लेकिन उनका प्रेरक सफर आने वाली पीढ़ियों के लिए मिसाल बनेगा।

आईपीएल 2026: मुंबई इंडियंस को शुरुआती मैच से पहले बड़ा झटका, सैंटनर और विल जैक्स अनुपस्थित

आईपीएल 2026 में पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस अपना अभियान कोलकाता नाइट राइडर्स (KKR) के खिलाफ शुरू करेगी। लेकिन इस मुकाबले से पहले ही टीम को बड़ा झटका लगा है। टीम के विदेशी खिलाड़ी मिचेल सैंटनर और विल जैक्स शुरुआती मैच में उपलब्ध नहीं रहेंगे। मुंबई इंडियंस के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और दो अन्य प्रमुख खिलाड़ी टीम के अनिवार्य ट्रेनिंग कैंप में शामिल नहीं हुए। यह कैंप वानखेड़े स्टेडियम में मैच से कुछ ही दिन पहले आयोजित किया गया था।मिचेल सैंटनर ने हाल ही में टी20 वर्ल्ड कप में न्यूजीलैंड की कप्तानी की और टीम को फाइनल तक पहुँचाया। इसके बाद वह अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज में भी शामिल रहे। तीन मैच खेलने के बाद उन्हें दो मैचों के लिए आराम दिया गया। सैंटनर जल्द ही मुंबई इंडियंस से जुड़ेंगे, लेकिन फिलहाल उनकी टीम में शामिल होने की कोई आधिकारिक जानकारी नहीं है। विल जैक्स व्यक्तिगत कारणों से उपलब्ध नहीं रहेंगे और संभवतः मैच के कुछ दिन बाद टीम से जुड़ सकते हैं। उन्होंने टी20 वर्ल्ड कप में शानदार प्रदर्शन किया और इंग्लैंड को सेमीफाइनल तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। भारत के खिलाफ सेमीफाइनल खेलने के बाद वह इंग्लैंड लौट गए थे। सैंटनर और जैक्स की अनुपस्थिति से मुंबई इंडियंस की शुरुआत प्रभावित हो सकती है। इन खिलाड़ियों की कमी में टीम के कप्तान रोहित शर्मा और अन्य खिलाड़ियों पर शुरुआती मैच में दबाव बढ़ सकता है। हालांकि टीम प्रबंधन ने खिलाड़ियों की फिटनेस और उपलब्धता को देखते हुए रणनीति तैयार की है।टी20 वर्ल्ड कप में शानदार प्रदर्शन करने वाले दोनों खिलाड़ियों के जल्द टीम में लौटने की उम्मीद है। उनकी वापसी मुंबई इंडियंस की बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों विभागों में मजबूती बढ़ाएगी। टीम के फैंस अब इंतजार कर रहे हैं कि क्या सैंटनर और जैक्स शुरुआती मैच से पहले

भारत पहुँचेंगे या नहीं।मुंबई इंडियंस के लिए यह मैच काफी अहम होगा, क्योंकि उनका लक्ष्य आईपीएल 2026 में पहले ही मुकाबले से मजबूत शुरुआत करना है। शुरुआती मैच में विदेशी खिलाड़ियों की अनुपस्थिति के बावजूद टीम के अन्य प्रमुख खिलाड़ी अपनी क्षमता के मुताबिक प्रदर्शन करेंगे।

खुद से ज्यादा कुत्ते के खाने और ग्रूमिंग पर खर्च, महीने का बिल ₹15,000 पार

युवाओं में बढ़ा 'डिंकवाड' कल्चर

बेंगलुरु के एक कपल अपने पालतू कुत्ते पर हर महीने ₹12,000 से ₹15,000 खर्च करता है. इस खबर ने सोशल मीडिया पर बहस छेड़ दी है. दरअसल, दोनों वर्किंग हैं और उनके बच्चे नहीं हैं, लेकिन वे अपने कुत्ते की देखभाल पर खास ध्यान देते हैं.

आजकल शादियों में परंपरा के साथ मॉडर्न स्टाइल का भी ट्रेंड बढ़ रहा है.

बेंगलुरु के एक कपल इन दिनों चर्चा में हैं, क्योंकि वे अपने पालतू कुत्ते पर हर महीने करीब 12,000 से 15,000 रुपये खर्च करते हैं. इस बात को लेकर सोशल मीडिया पर बहस शुरू हो गई है. बताया जा रहा है कि यह कपल बेंगलुरु के इंदिरा नगर में रहता है और दोनों अच्छी नौकरी करते हैं. उनके बच्चे नहीं हैं, लेकिन उनके पास एक गोल्डन रिट्रीवर कुत्ता है, जिसका वे बहुत ध्यान रखते हैं. इस बात को लेकर सोशल मीडिया पर काफी बहस चल रही है. इस ट्रेंड को DINKWAD (Double Income, No Kids, With A Dog) कहा जा रहा है, जिसमें लोग पालतू जानवरों को परिवार की तरह मानकर उन पर खुलकर खर्च करते हैं. एक स्टार्टअप फाउंडर गगन अरोड़ा ने लिंक्डइन पर इस बारे में पोस्ट शेयर किया. उन्होंने बताया कि जब वह कपल से मिले, तो उन्होंने देखा कि कुत्ते के लिए घर में महंगे प्रोडक्ट्स रखे हुए थे. जैसे ₹2400 का डॉग फूड, खास सप्लीमेंट्स और ग्रूमिंग के सामान. यहां तक कि फ्रिज में कुत्ते के खाने के लिए अलग से जगह भी बनाई गई थी. जब उनसे खर्च के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने बताया कि हर महीने 12 से 15 हजार रुपये सिर्फ कुत्ते पर खर्च हो जाते हैं. इसमें खाना, ग्रूमिंग (साफ-सफाई), डॉक्टर के पास जाना, खिलौने और ट्रीट शामिल हैं. मजेदार बात यह रही कि जब उनसे पूछा गया कि वे अपने खाने पर कितना खर्च करते हैं, तो वे हंस पड़े और बोले- शायद उससे कम.इस तरह के लोगों को आजकल DINKWAD कहा जाता है, यानी Double Income, No Kids, With A Dog (दो कमाने वाले, बच्चे नहीं, लेकिन कुत्ता है). ⊙

साइलेंसर पर रोटी बनाती लड़की का वीडियो वायरल

गैस की कमी के कारण लोगों को इन दिनों काफी परेशानी हो रही है.कई जगहों पर एलपीजी सिलेंडर नहीं मिल पा रहा है, जिसकी वजह से लोग खाना बनाने के लिए नए-नए जुगाड़ अपना रहे हैं. इसी बीच सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जो सबका ध्यान खींच रहा है. इस वीडियो में एक लड़की अनोखे तरीके से खाना बनाती नजर आ रही है. वीडियो में आप देख सकते हैं कि लड़की बाइक के पास बैठी है. ⊙

अन्नामलाई की तलहटी में हजारों पक्षियों की चहचहाहट

प्रकृति का 'लाइव कॉन्सर्ट'

शहर के शोर-शराबे और व्यस्त जिंदगी में लोग सुकून के लिए प्रकृति की ओर जाते हैं. और प्रकृति कभी निराश नहीं करती. यहीं शांति है, यहीं सुंदरता है और यहीं असली संगीत है. कई बार प्रकृति ऐसे अद्भुत नजारे दिखाती है कि उन पर यकीन करना मुश्किल हो जाता है.सोशल मीडिया पर ऐसा ही एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें पेड़ की टहनियों पर बैठे हजारों पक्षियों की चहचहाहट सुनाई देती है. तमिलनाडु के पोलाची के पास स्थित अन्नामलाई टाइगर रिजर्व की तलहटी में एक पेड़ हजारों पक्षियों की आवाज से गूंज उठा. इस खूबसूरत दृश्य का वीडियो आईएएस अधिकारी सुप्रिया साहू ने शेयर किया, जिसके बाद यह

तेजी से वायरल हो गया.वीडियो में हजारों चेस्टनट-हेडेड बी-ईटर पक्षी एक पेड़ पर बैठे नजर आते हैं. उनकी एक साथ चहचहाने की आवाज से पूरा माहौल मधुर हो जाता है. ऐसा लगता है जैसे कोई संगीत कार्यक्रम चल रहा हो.सुप्रिया साहू ने बताया कि ये पक्षी रात में एक साथ इकट्ठा होते हैं. इससे उन्हें सुरक्षा मिलती है. वे लगातार आवाज के जरिए एक-दूसरे से जुड़े रहते हैं. ⊙

15 दिन में घर खाली करने का आदेश

पड़ोस में कपड़े सुखाना पड़ा महंगा

बेंगलुरु में एक किराएदार के साथ अजीब मामला सामने आया है, जहां घर में रहने के सिर्फ 15 दिन बाद ही उसे मकान खाली करने की धमकी मिल गई. किराएदार ने बताया कि उसने 50,000 रुपये सिक्योरिटी, 20,000 रुपये ब्रोकर फीस और 10,000 रुपये शिफ्टिंग में खर्च किए, यानी कुल 80,000 रुपये खर्च करने के बाद वह 4 मार्च को नए घर में रहने आया था. लेकिन घर में कपड़े सुखाने की सही व्यवस्था नहीं थी, न बालकनी थी, न धूप आती थी और न ही ग्रिल या हुक ठीक से लगे थे. जब उसने छत पर कपड़े सुखाने की अनुमति मांगी तो मकान मालिक ने मना कर दिया. इसके बाद किराएदार ने अपने पड़ोसी से अनुमति लेकर उनके घर में कपड़े सुखाने शुरू कर दिए,

किराएदार को पड़ोस में कपड़े सुखाने पर नोटिस दिया गया है.

क्योंकि उसके घर में छोटा बच्चा है और कपड़ों को धूप में सुखाना जरूरी था. लेकिन जैसे ही मकान मालिक को यह पता चला, वह नाराज हो गया और घर खाली करने का नोटिस दे दिया. किराएदार का कहना है कि उसने कई बार समस्या बताई, लेकिन मकान मालिक ने कोई समाधान नहीं दिया. अब यह परिवार परेशानी में है, क्योंकि एक तरफ इतना पैसा खर्च हो चुका है और दूसरी तरफ नया घर ढूंढना भी आसान नहीं है. सोशल मीडिया पर लोग इस मामले पर अलग-अलग राय दे रहे हैं—कुछ लोगों ने कानूनी कार्रवाई की सलाह दी, तो कुछ का कहना है कि पहले रेंट एग्रीमेंट की शर्तें देखनी चाहिए. ⊙

अक्षय खन्ना का 51वां जन्मदिन

दमदार कमबैक के लिए मशहूर अभिनेता

बॉलीवुड के प्रतिभाशाली और बहुमुखी अभिनेता अक्षय खन्ना 28 मार्च को अपना 51वां जन्मदिन मना रहे हैं। अपनी संजीदा अदाकारी और अलग तरह के किरदारों के लिए पहचाने जाने वाले अक्षय खन्ना ने फिल्म इंडस्ट्री में एक खास मुकाम हासिल किया है। वह उन कलाकारों में शामिल हैं, जो लंबे समय तक पर्दे से दूर रहने के बाद भी दमदार वापसी करने में सफल रहे।28 मार्च 1975 को मुंबई में जन्मे अक्षय खन्ना एक फिल्मी परिवार से ताल्लुक रखते हैं। उनके पिता विनोद खन्ना अपने दौर के सुपरस्टार रहे हैं। हालांकि, फिल्मी पृष्ठभूमि होने के बावजूद अक्षय को इंडस्ट्री में अपनी पहचान बनाने के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ी।अक्षय खन्ना ने अपने फिल्मी करियर की शुरुआत 1997 में फिल्म हिमालय पुत्र से की थी।

हालांकि उनकी पहली फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल नहीं रही। शुरुआती दौर में उन्हें कई असफलताओं का सामना करना पड़ा। 'आ अब लौट चलें' जैसी फिल्मों में काम करने के बावजूद उनका करियर स्थिर नहीं हो पाया।उनके करियर में असली मोड़ साल 2001 में आई फिल्म दिल चाहता है से आया। इस फिल्म में उन्होंने एक शांत और संवेदनशील प्रेमी का किरदार निभाया, जिसे दर्शकों और समीक्षकों ने खूब सराहा। इस भूमिका के लिए उन्हें फिल्मफेयर का सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता पुरस्कार भी मिला। इसके बाद उन्होंने हमराज, रेस और हंगामा जैसी फिल्मों में अपने अभिनय का अलग-अलग रंग दिखाया।अक्षय खन्ना ने केवल कॉमेडी या रोमांटिक ही नहीं, बल्कि गंभीर फिल्मों में भी शानदार काम किया। गांधी: माई फादर में उनके अभिनय को काफी सराहना मिली। हालांकि एक समय ऐसा भी आया जब वह 2014 से 2016 के बीच फिल्मों से दूर हो गए, जिससे उनके फैंस को निराशा हुईलेकिन उनकी वापसी बेहद दमदार रही। उन्होंने मॉम, इत्तेफाक और दृश्यम 2 जैसी फिल्मों में पुलिस अधिकारी के किरदार निभाकर एक बार फिर अपनी अभिनय क्षमता साबित की। उनकी दूसरी पारी ने उन्हें "कमबैक किंग" की पहचान दिलाई।साल 2025 उनके करियर के लिए खास साबित हुआ। फिल्म छावा में उन्होंने 'औरंगजेब' का किरदार निभाया, जिसे दर्शकों और आलोचकों ने खूब सराहा। इसके अलावा दिसंबर 2025 में आई फिल्म धुरंधर में 'रहमान डकैत' की भूमिका निभाकर उन्होंने दर्शकों के दिलों में एक अलग छाप छोड़ी।आज अक्षय खन्ना का नाम उन अभिनेताओं में लिया जाता है, जिन्होंने अपनी प्रतिभा, मेहनत और विविध अभिनय से बॉलीवुड में एक अलग पहचान बनाई है। उनकी अभिनय शैली, किरदारों की गहराई और चुनौतियों को स्वीकार करने की क्षमता उन्हें खास बनाती है। उनके जन्मदिन के अवसर पर फैंस उन्हें शुभकामनाएं दे रहे हैं और उनके आगामी प्रोजेक्ट्स का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

अफवाहों से बढ़ी मांग, पेट्रोल-डीजल और LPG की खपत दोगुनी-तीन गुनी तक पहुंची

उत्तर प्रदेश में अफवाहों के कारण पेट्रोल, डीजल और LPG की मांग अचानक दोगुनी-तीन गुनी बढ़ गई। कई जिलों में बिक्री 200% तक पहुंची। LPG की भारी बुकिंग से बैकलॉग बना। हालांकि तेल कंपनियों ने स्पष्ट किया कि पर्याप्त स्टॉक है और सप्लाई पूरी तरह सामान्य बनी हुई है।

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

प्रदेश में 26 और 27 मार्च को पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस (LPG) की मांग में अचानक भारी उछाल दर्ज किया गया। अफवाहों के चलते हालात ऐसे बने कि ईंधन की खपत सामान्य से दोगुनी से लेकर तीन गुनी तक पहुंच गई। हालांकि ऑयल कंपनियों के अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि सप्लाई पूरी तरह नियंत्रण में है और किसी प्रकार की कमी नहीं है। जानकारी के अनुसार, 24 मार्च तक पेट्रोल और डीजल की बिक्री सामान्य स्तर पर थी, लेकिन 25 मार्च से मांग में तेजी आनी शुरू हुई और 26 मार्च तक यह उछाल चरम पर पहुंच गया। पेट्रोल की बिक्री 24 मार्च को औसत से 4% अधिक थी, जो 25 मार्च को 38% और 26 मार्च को 77% तक बढ़ गई। वहीं डीजल की मांग में और अधिक तेजी देखी गई—24 मार्च को 19% की बढ़त 25 मार्च को 36% और 26 मार्च को 75% तक पहुंच गई।राजधानी लखनऊ में भी यही ट्रेंड देखने को मिला। यहां 24 मार्च को पेट्रोल की बिक्री 3% अधिक थी, जो 25 मार्च को 42% और 26 मार्च को 109% तक पहुंच गई। डीजल की बिक्री भी 17% से बढ़कर 61% और फिर 100% तक पहुंच गई। प्रदेश के कई जिलों में स्थिति और अधिक गंभीर रही। आजमगढ़, बाराबंकी, भदोही, देवरिया, गोरखपुर, कौशाम्बी, कुशीनगर, प्रतापगढ़, प्रयागराज और श्रावस्ती में पेट्रोल की बिक्री 170% से लेकर 222% तक बढ़ गई। डीजल की मांग में भी इसी तरह का उछाल दर्ज किया गया। देवरिया में डीजल की खपत 226% और प्रतापगढ़ में 230% तक पहुंच गई। महाराजगंज, जौनपुर, गोरखपुर और आजमगढ़ में भी 170% से अधिक वृद्धि दर्ज की गई।पेट्रोल-डीजल के साथ-साथ LPG की मांग में भी जबरदस्त उछाल आया। 26 मार्च को कुल 13.31 लाख सिलेंडर बुक किए गए, जबकि केवल 7.83 लाख सिलेंडर की डिलीवरी हो सकी। इस कारण लगभग 5.5 लाख सिलेंडरों का बैकलॉग बन गया। विभिन्न कंपनियों के आंकड़ों के अनुसार, इंडियन ऑयल में 5.25 लाख बुकिंग के मुकाबले 4.32 लाख डिलीवरी हुई, भारत पेट्रोलियम में 6.42 लाख बुकिंग के मुकाबले 2.11 लाख डिलीवरी और हिंदुस्तान पेट्रोलियम में 1.64 लाख बुकिंग के मुकाबले 1.40 लाख सिलेंडर वितरित किए गए।आंकड़ों के मुताबिक, 26 मार्च 2025 की तुलना में 26 मार्च 2026 को पेट्रोल की सप्लाई लगभग दोगुनी हो गई। यह 15 हजार किलोलीटर से बढ़कर 29 हजार किलोलीटर तक पहुंच गई। डीजल की खपत भी 28 हजार किलोलीटर से बढ़कर 51 हजार किलोलीटर दर्ज की गई। कुछ जिलों जैसे लखनऊ, सीतापुर, बहराइच और गोंडा में मांग का दबाव अधिक रहा, जबकि गोरखपुर, बस्ती, महाराजगंज और अयोध्या में हालात धीरे-धीरे सामान्य होने लगे हैं। अधिकारियों का कहना है कि अन्य जिलों में भी एक-दो दिन में स्थिति पूरी तरह संतुलित हो जाएगी।प्रदेश में लगभग 13 हजार पेट्रोल पंपों पर 4 से 5 दिन का स्टॉक उपलब्ध है। LPG के 4,107 डिस्ट्रीब्यूटर के पास औसतन डेढ़ दिन का स्टॉक और बॉटलिंग प्लांट पर लगभग 4 दिन का भंडार मौजूद है। कुल मिलाकर 15 से 18 दिन का रिजर्व सिस्टम में बना हुआ है।ऑयल कंपनियों के अधिकारियों ने लोगों से अपील की है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और जरूरत के अनुसार ही ईंधन की खरीदारी करें। उन्होंने भरोसा दिलाया कि सप्लाई चेन पूरी तरह सक्रिय है और किसी भी प्रकार की कमी नहीं होने दी जाएगी।

कल से फिर बारिश के आसार, तापमान में गिरावट संभव

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ में एक दिन की बारिश के बाद आज शनिवार को सुबह से मौसम साफ है। तेज धूप निकली है। मौसम विभाग का अनुमान है कि आज लखनऊ का अधिकतम तापमान 33 डिग्री और न्यूनतम तापमान 18 डिग्री के आसपास दर्ज किया जाएगा। दिन में एक से दो बार बादल भी छाए रहने की संभावना है। सुबह AQI 106 रहा जो यलो जोन मॉडरेट लेवल का है। कल से फिर बारिश होगी जिससे 6 डिग्री सेल्सियस तक पारा गिर सकता है। शुक्रवार को अधिकतम तापमान 30.6 डिग्री दर्ज किया गया। यह सामान्य से 4.6 डिग्री कम रहा। न्यूनतम तापमान 22.1 डिग्री रहा। यह सामान्य से 4.3 डिग्री सेल्सियस अधिक रहा। अधिकतम आर्द्रता 88 फीसदी और न्यूनतम आर्द्रता 37 फीसदी रही। दिन में 2.6 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। लखनऊ के 6 मॉनिटरिंग स्टेशनों का औसत AQI सुबह के समय 106 के साथ में यलो जोन मॉडरेट लेवल में दर्ज किया गया है। सबसे खराब स्थिति अलीगंज 192 और तालकटोरा औद्योगिक क्षेत्र 133 के साथ में मॉडरेट लेवल में रहा। लालबाग 89, अंबेडकर यूनिवर्सिटी 79, गोमतीनगर 73 और कुकरैल 62 के साथ में ग्रीन जोन में दर्ज किया गया। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड सीपीसीबी की तरफ से शुक्रवार को शाम 4 बजे जारी आंकड़े के मुताबिक लखनऊ का AQI 97 के साथ में संतोषजनक स्थिति में रहा। मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से प्रदेश में बूंदाबांदी के साथ हुई हल्की वर्षा के कारण अनेक स्थानों पर अधिकतम तापमान में औसतन 3-6 डिग्री की गिरावट दर्ज की गई। इसका प्रभाव समाप्त होने से 28-29 मार्च के दौरान अधिकतम तापमान में लगभग इतनी ही बढ़त होगी।

नरेंद्र मोदी vs अखिलेश यादव: जेवर एयरपोर्ट उद्घाटन पर सियासी घमासान, बयानबाज़ी तेज

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को नोएडा में जेवर एयरपोर्ट का उद्घाटन किया। इस मौके पर उन्होंने प्रदेश की पूर्ववर्ती सपा सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि यूपी में देश के सबसे ज्यादा एयरपोर्ट हो गए हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकार में नोएडा प्रदेश के विकास का इंजन बन गया है जबकि सपा सरकार ने इसे लूट का एटीएम बना रखा था। इस पर पलटवार करते हुए

अखिलेश यादव ने एक्स पर बयान दिया कि हमारे प्रदेश में मेहमान बनकर आए हैं, हम उनको मेहमान मानकर ही सम्मान सहित विदा करेंगे। जाने वालों की बात का बुरा नहीं माना जाता है। जब हार साक्षात् दिखने लगती है तो इंसान को न अपने पद का मान रहता है, न ही अपने कथन पर नियंत्रण। उम्र और पद का मान करना हमारे संस्कार में है और हमेशा रहेगा। सादर विदाई! प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, नोएडा को पहले अंधविश्वास के कारण अपने हाल पर छोड़ दिया गया था, कुर्सी जाने के डर से पहले के सत्ताधारी यहां आने से डरते थे। मुझे याद है, जब यहां सपा सरकार थी और मैंने नोएडा आने का कार्यक्रम बनाया, तो मुख्यमंत्री इतने डरे हुए थे कि वे उस कार्यक्रम में नहीं आए। मुझे भी डराने की कोशिश की गई, कहा गया, "नोएडा मत जाइए, मोदी जी, अभी-अभी प्रधानमंत्री बने हैं।" मैंने कहा, "मैं उस धरती का आशीर्वाद लेने जा रहा हूं, जो मुझे लंबे अरसे तक सेवा करने का मौका देगी। " आज वही इलाका पूरी दुनिया का स्वागत करने के लिए तैयार है। यह पूरा क्षेत्र आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को सशक्त कर रहा है।

लखनऊ में शिया समुदाय का प्रदर्शन, सऊदी हुकूमत के खिलाफ नारेबाजी

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ के शहीद स्मारक पर शिया मुसलमानों ने सऊदी अरब हुकूमत के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की तस्वीर पैरों तले कुचली। इजरायल-अमेरिका मुर्दाबाद के नारे लगाए। सऊदी अरब में मौजूद जन्नतुल बकी के पुनर्निर्माण के लिए सऊदी हुकूमत को खून से पत्र लिखा। इसके बाद मातम किया। मौलाना यासूब अब्बास ने प्रदर्शनकारियों को लीड किया। बता दें कि सऊदी में इमामों के रोजों-मजारों को ध्वस्त कर दिया गया था। अरबी कैलेंडर के हिसाब से हर साल आठ शव्वाल को सऊदी अरब में मौजूद जन्नतुल बकी के फिर से निर्माण के लिए ऑल इंडिया शिया पर्सनल लॉ बोर्ड की तरफ से प्रदर्शन किया जाता है।ऑल इंडिया शिया पर्सनल लॉ बोर्ड के महासचिव मौलाना यासूब अब्बास ने कहा- 100 साल पहले सऊदी अरब के शासक आले सऊद ने जन्नत-उल-बकी में मोहम्मद साहब के खानदान वालों और उनकी बेटी की कब्र को ध्वस्त करवा दी थी। ये बहुत अफसोस की बात है कि सऊदी हुकूमत जिस रसूल का कलमा पढ़ती है। उसकी बेटी की कब्र पर आज तक कोई साया नहीं है। ये बड़े शर्म की बात है कि सऊदी शासक अपने आलीशान महलों में रह रहे हैं, लेकिन रसूल की बेटी की कब्र खुले आसमान के नीचे है। मौलाना ने सऊदी अरब हुकूमत से मांग की कि या तो जन्नतुल बकी का निर्माण कराएं या शिया समुदाय को इजाजत दें। इसके बाद हम वहां जाकर मजारों का पुनर्निर्माण करें। मौलाना ने प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अपील की है कि शिया समुदाय के आस्था को ध्यान में रखते हुए सऊदी हुकूमत से जन्नतुल बकी के निर्माण के लिए भारत सरकार दबाव बनाए।

बिल जमा के बाद भी कई घरों में नहीं लौटी बिजली

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

बिजली महकमे ने शनिवार सुबह आठ बजे से माइनस बैलेंस वाले बकायेदारों के प्रीपेड मीटरों की बत्ती बंद करना शुरू किया। एक घंटे के भीतर 19,778 घरों, दुकानों व कार्यालयों में अंधेरा हो गया। माइनस बैलेंस के मिले मेसेज के आधार पर बकायेदारों ने रकम को जमा कर दिया। मगर, उसमें भी 30 फीसदी बकायेदारों की बिल जमा होने पर ऑटोमेटिक बत्ती चालू नहीं हुई। ऐसे बकायेदारों ने हुसैनगंज कॉल सेंटर सहित सभी कलेक्शन कार्यालयों में हंगामा किया। शनिवार को 6294 कनेक्शन अमौसी, 3269 गोमतीनगर, 4207 जानकीपुरम व 6008 कनेक्शन लखनऊ मध्य जोन में कटे। दोपहर दो बजे तक बकायेदारों ने 2.17 करोड़ के बिल भी जमा किए। हालांकि, शाम छह बजे तक हुसैनगंज कॉल सेंटर, इंद्रलोक हाइडिल कॉलोनी, पुरनिया उपकेंद्र व मंत्री आवास उपकेंद्र स्थित कार्यालयों में बिल जमा करने कटी बिजली को चालू कराने के लिए जूझते रहे। इससे लोगों को बिजली के संग पानी को भी तरसना पड़ा। लखनऊ मध्य जोन के मुख्य अभियंता रवि कुमार अग्रवाल ने बताया कि जिन बकायेदारों की बिल जमा करने के बाद भी बिजली ऑटोमेटिक चालू नहीं हो रही उनका बैलेंस प्लस नहीं होगा। प्लस बैलेंस का मेसेज सिस्टम पर पहुंचते ही इंटेली स्मार्ट कंपनी के ऑपरेटर कमांड देकर उन्हें जोड़ देते हैं।उन्होंने उपभोक्ताओं से अपील की है कि बिल जमा करने से पहले अपने पास के कार्यालय या हेल्पडेस्क पर जाकर जमा होने वाली रकम की जानकारी हासिल कर लें। उपभोक्ता के खाते में बैलेंस प्लस होते ही बत्ती चालू हो जाएगी।

लखनऊ पीजीआई में 2314 पदों पर भर्ती को मंजूरी

राजधानी लखनऊ स्थित संजय गांधी पीजीआई में बड़े पैमाने पर भर्ती का रास्ता साफ हो गया है। संस्थान की गवर्निंग बॉडी की बैठक में कुल 2314 पदों पर भर्ती के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई है। इस फैसले के तहत डॉक्टरों, नर्सिंग स्टाफ और तकनीशियनों की बड़ी संख्या में नियुक्ति की जाएगी, जिससे संस्थान की स्वास्थ्य सेवाओं को और मजबूत बनाया जा सकेगा।मंजूरी के अनुसार, कुल 614 डॉक्टरों की भर्ती की जाएगी। इसमें 131 सीनियर डॉक्टर और 483 रेजिडेंट डॉक्टर शामिल होंगे। इसके अलावा स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए 1540 नर्सिंग और टेक्नीशियन पदों को भरने की भी स्वीकृति दी गई है। साथ ही 160 आउटसोर्सिंग पदों पर भी भर्ती की जाएगी, जिससे विभिन्न सहायक सेवाओं को सुचारू रूप से संचालित किया जा सके।यह भर्ती मुख्य रूप से संस्थान में बन रहे देश के पहले एडवांस पीडियाट्रिक सेंटर के संचालन के लिए की जा रही है। करीब 500 करोड़ रुपये की लागत से तैयार हो रहा यह सेंटर अपने पहले चरण में लगभग 90 प्रतिशत तक पूरा हो चुका है। इस सेंटर में बच्चों से जुड़ी गंभीर और जटिल बीमारियों के इलाज के लिए अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।अधिकारियों के अनुसार, इस नए सेंटर में 24 विभागों की स्थापना की जाएगी, जहां विभिन्न प्रकार की बाल रोग सेवाएं उपलब्ध होंगी। साथ ही यहां हर साल बड़ी संख्या में विशेषज्ञ डॉक्टर तैयार किए जाएंगे, जिससे न केवल उत्तर प्रदेश बल्कि पूरे देश में बाल रोग विशेषज्ञों की कमी को पूरा करने में मदद मिलेगी।इस सेंटर में डीएम (डॉक्टर ऑफ मेडिसिन) और एमसीएच (मास्टर ऑफ चिरूर्जिकल) जैसे उच्च स्तरीय सुपर स्पेशियलिटी कोर्स भी संचालित किए जाएंगे। इससे यह संस्थान देश के प्रमुख चिकित्सा शिक्षा और उपचार केंद्रों में शामिल हो जाएगा।संस्थान प्रशासन के अनुसार, भर्ती प्रक्रिया जल्द ही शुरू की जाएगी। पहले चरण में डॉक्टरों और नर्सिंग स्टाफ की नियुक्ति को प्राथमिकता दी जाएगी, ताकि एडवांस पीडियाट्रिक सेंटर का संचालन समय पर शुरू किया जा सके।इस बड़े फैसले से न केवल स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार होगा, बल्कि रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे। साथ ही लखनऊ का यह संस्थान चिकित्सा क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छूने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बढ़ाएगा।

उन्नाव में सक्रिय चोर गिरोह का भंडाफोड़

पांच आरोपी गिरफ्तार

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव। जिले में बढ़ती चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। कोतवाली सदर पुलिस ने एक संगठित चोर गिरोह के पांच सदस्यों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से करीब 15 लाख रुपये का चोरी का सामान, अवैध हथियार और वाहन बरामद किए हैं।यह कार्रवाई वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जयप्रकाश सिंह के निर्देश पर अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी और क्षेत्राधिकारी नगर के पर्यवेक्षण में की गई। पुलिस अधिकारियों के अनुसार गिरफ्तार आरोपी लंबे समय से शहर और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में चोरी की वारदातों को अंजाम दे रहे थे और पुलिस के लिए चुनौती बने हुए थे। पुलिस को बीते कुछ महीनों से लगातार चोरी की घटनाओं की शिकायतें मिल रही थीं। इनमें 6 अगस्त 2025 को सिविल लाइंस निवासी अरुण रश्मि, 19 फरवरी 2026 को गदनखेड़ा निवासी संदीप कुमार और 24 मार्च 2026 को नई बस्ती गदनखेड़ा निवासी कुलदीप द्वारा दर्ज कराए गए मामले प्रमुख हैं। इसके अलावा थाना माखी क्षेत्र में भी कई चोरी की घटनाएं सामने आई थीं। इन सभी मामलों की जांच के दौरान पुलिस को एक संगठित गिरोह के सक्रिय होने की जानकारी मिली। 27 मार्च 2026 को मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने ललऊखेड़ा नहरिया डीह मोड़ मंदिर के पास घेराबंदी कर कार्रवाई की और पांच आरोपियों को मौके से

गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान शैलेंद्र उर्फ दीपू सविता, रविंद्र सिंह उर्फ बऊवा, जलेश उर्फ अयान, विशाल उर्फ अनुराग कुशवाहा और अमन सोनी के रूप में हुई है। तलाशी के दौरान पुलिस को अभियुक्त शैलेंद्र उर्फ दीपू के पास से 315 बोर का अवैध तमंचा और दो जिंदा कारतूस बरामद हुए। इसके अलावा आरोपियों के पास से बड़ी मात्रा में सोने-चांदी के जेवरात, जिनमें मंगलसूत्र, अंगूठियां, झुमकी, नथिया, पायल और बिछिया शामिल हैं, बरामद किए गए। अभियुक्त अमन सोनी के कब्जे से एलईडी टीवी, लैपटॉप, स्पीकर, एम्प्लीफायर और इनवर्टर बैटरी जैसे महंगे इलेक्ट्रॉनिक उपकरण भी बरामद हुए। पुलिस ने एक मोटरसाइकिल और एक टेंपो भी जब्त किया है, जिनका उपयोग चोरी के सामान को एक स्थान से दूसरे स्थान तक ले जाने में किया जाता था।पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि वे कोतवाली सदर और माखी थाना क्षेत्रों में बंद पड़े घरों और प्रतिष्ठानों को निशाना बनाते थे। चोरी के बाद वे सामान को ई-रिक्शा में लादकर कबाड़ियों और सुनारों को बेच देते थे और प्राप्त धनराशि को आपस में बांट लेते थे। पुलिस के अनुसार गिरोह का मुख्य सरगना शैलेंद्र उर्फ दीपू है, जिसके खिलाफ हत्या के प्रयास, चोरी, आर्म्स एक्ट, गैंगस्टर एक्ट और एनडीपीएस एक्ट समेत कई गंभीर आपराधिक मुकदमे पहले से दर्ज हैं। अन्य आरोपियों का भी आपराधिक इतिहास खंगाला जा रहा है, जिससे यह स्पष्ट होता है कि यह गिरोह संगठित तरीके से अपराधों को अंजाम देता था। इस कार्रवाई में प्रभारी निरीक्षक चंद्रकांत मिश्र, उपनिरीक्षक रविशंकर मिश्र, अजय शर्मा, अतुल कुमार सिंह सहित पुलिस टीम के कई सदस्य शामिल रहे। पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर उन्हें न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है। साथ ही गिरोह से जुड़े अन्य लोगों की तलाश भी जारी है।

गंगाघाट में सड़क हादसा, अज्ञात वाहन की टक्कर से युवक की मौत

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव के गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र में शुक्रवार देर रात एक सड़क हादसे में 23 वर्षीय युवक धुरू शुक्ला की मौत हो गई। अज्ञात वाहन की टक्कर से गंभीर रूप से घायल युवक ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। शुक्लागंज के बिंदा नगर निवासी धुरू शुक्ला पुत्र राम किशोर शुक्रवार देर रात बाइक से कहीं जा रहे थे। गंगा बैराज रोड के पास किसी अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि युवक सड़क पर दूर जा गिरा और गंभीर रूप से घायल हो गया। राहगीरों ने घटना की सूचना पुलिस और एंबुलेंस को दी, लेकिन एंबुलेंस पहुंचने से पहले ही युवक की मौत हो चुकी थी। सूचना मिलते ही गंगाघाट कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। हादसे के बाद अज्ञात वाहन चालक मौके से फरार हो गया। मृतक धुरू शुक्ला दो भाइयों में से एक थे और नेटवर्क डेटा से संबंधित पढ़ाई कर रहे थे। परिवार को उनसे काफी उम्मीदें थीं। युवक की असमय मौत की खबर मिलते ही घर में मातम छा गया। शनिवार को पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल था। पुलिस ने बताया कि अज्ञात वाहन की तलाश की जा रही है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है, ताकि वाहन और चालक की पहचान हो सके। गंगाघाट कोतवाली प्रभारी के अनुसार, पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने और परिजनों की तहरीर मिलने के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

लखनऊ-कानपुर रेलखंड पर 42 दिन का मेगा ब्लॉक, यात्रियों को होगी असुविधा

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

लखनऊ-कानपुर रेलखंड पर यात्रा करने वाले यात्रियों को अगले डेढ़ महीने तक कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। रेलवे प्रशासन ने गंगापुल के पास हाई बीम स्लीपर बदलने के लिए 42 दिनों का मेगा ब्लॉक घोषित किया है। यह कार्य 2 अप्रैल से शुरू होकर 13 मई तक चलेगा, जिसके दौरान डाउन लाइन पर व्यापक मरम्मत और स्लीपर प्रतिस्थापन किया जाएगा।शनिवार को लखनऊ मंडल के मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) सुनील कुमार वर्मा ने शुक्लागंज स्थित गंगापुल का निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि कार्य निर्धारित समय सीमा में पूरा किया जाए और सुरक्षा मानकों का विशेष रूप से पालन सुनिश्चित किया जाए। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, गंगाघाट रेलवे स्टेशन के पास स्थित गंगापुल पर ट्रैक और स्लीपरों के रखरखाव की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जा रही थी। यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए हाई बीम स्लीपर बदलने का निर्णय लिया गया है। इस कार्य के पूरा होने के बाद ट्रैक की मजबूती बढ़ेगी और दुर्घटनाओं की आशंका कम होगी। मेगा ब्लॉक के चलते कई पैसेंजर, एक्सप्रेस और सुपरफास्ट ट्रेनें प्रभावित होंगी। कुछ ट्रेनों को अस्थायी रूप से निरस्त किया जाएगा, जबकि कई ट्रेनों को वैकल्पिक मार्गों से संचालित किया जाएगा। रेलवे प्रशासन जल्द ही प्रभावित ट्रेनों की विस्तृत सूची जारी करेगा। यात्रियों को सलाह दी गई है कि वे यात्रा से पहले अपनी ट्रेन की स्थिति ऑनलाइन या रेलवे पूछताछ केंद्र से अवश्य जांच लें।लखनऊ-कानपुर रेलखंड प्रदेश के सबसे व्यस्त रेलमार्गों में से एक है, जहां से प्रतिदिन हजारों यात्री सफर करते हैं। इस रूट से दिल्ली, लखनऊ, कानपुर और मुंबई जैसे प्रमुख शहरों के लिए महत्वपूर्ण ट्रेनें संचालित होती हैं। ऐसे में इस मेगा ब्लॉक का सबसे अधिक असर दैनिक यात्रियों, नौकरीपेशा लोगों और छात्रों पर पड़ेगा, जो नियमित रूप से इस मार्ग का उपयोग करते हैं।रेलवे अधिकारियों ने बताया कि कार्य चरणबद्ध तरीके से किया जाएगा, ताकि अप लाइन पर सीमित रूप से ट्रेनों का संचालन जारी रखा जा सके। इंजीनियरिंग विभाग की टीमें आधुनिक मशीनों और उपकरणों की मदद से दिन-रात काम करेंगी, जिससे परियोजना को तय समय में पूरा किया जा सके। रेलवे प्रशासन ने यात्रियों से सहयोग की अपील करते हुए कहा है कि यह असुविधा अस्थायी है, लेकिन भविष्य में सुरक्षित और सुगम यात्रा के लिए आवश्यक है।

नेशनल हाईवे-31 की सर्विस लेन से हटाए जा रहे विद्युत पोल, राहत की सांस ले रहे राहगीर

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

नेशनल हाईवे-31 की सर्विस लेन के बीचों-बीच लगे विद्युत पोलों को आखिरकार हटाने का कार्य शुरू कर दिया गया है। लंबे समय से यह पोल राहगीरों और वाहन चालकों के लिए गंभीर खतरा बने हुए थे। हाल ही में इस समस्या को प्रमुखता से उठाए जाने के बाद प्रशासन ने मामले का संज्ञान लेते हुए त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए।यह मामला बीघापुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले हाईवे-31 की सर्विस लेन का है। हाईवे निर्माण कार्य पूरा होने के बावजूद कई विद्युत पोल सड़क के बीचों-बीच खड़े रह गए थे। इससे दोपहिया और चारपहिया वाहन चालकों को रोजाना आवागमन में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। विशेष रूप से रात के समय ये पोल दुर्घटनाओं की आशंका को बढ़ा रहे थे।स्थानीय लोगों का कहना है कि इस समस्या को लेकर कई बार संबंधित विभागों को शिकायतें दी गईं, लेकिन लंबे समय तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। क्षेत्रीय नागरिकों ने बताया कि पोलों की वजह से वाहन चालकों को अचानक दिशा बदलनी पड़ती थी, जिससे हादसों का खतरा बना रहता था। मामला उजागर होने के बाद प्रशासन हरकत में आया और संबंधित विभागों के बीच समन्वय स्थापित किया गया। अधिकारियों ने विद्युत विभाग को तत्काल पोल हटाने के निर्देश जारी किए। आदेश मिलते ही विभागीय टीम मौके पर पहुंची और कार्य प्रारंभ कर दिया।विद्युत विभाग के कर्मचारी मशीनों की सहायता से एक-एक कर पोलों को हटाने में जुटे हैं। कार्य के दौरान सुरक्षा मानकों का विशेष ध्यान रखा जा रहा है। साथ ही यातायात व्यवस्था को भी नियंत्रित किया गया है, ताकि किसी प्रकार की दुर्घटना न हो। अधिकारियों के अनुसार, हाईवे निर्माण के दौरान कुछ तकनीकी कारणों से इन पोलों का समय पर स्थानांतरण नहीं हो पाया था। अब इन्हें व्यवस्थित तरीके से हटाकर सुरक्षित स्थानों पर स्थापित किया जा रहा है। प्रशासन का कहना है कि जल्द ही पूरी सर्विस लेन को बाधामुक्त कर दिया जाएगा, जिससे यातायात सुगम और सुरक्षित हो सकेगा। स्थानीय लोगों ने इस कार्रवाई पर संतोष जताते हुए प्रशासन और मीडिया की सक्रियता की सराहना की है। उनका कहना है कि समय रहते उठाए गए इस कदम से संभावित दुर्घटनाओं को टाला जा सका है। प्रशासन ने यह भी स्पष्ट किया है कि जनपद में सड़क सुरक्षा से जुड़े मुद्दों की नियमित निगरानी की जा रही है और भविष्य में भी इस तरह की समस्याओं पर त्वरित कार्रवाई जारी रहेगी।

उन्नाव में कोतवाली क्षेत्र के पास तीन दुकानों में चोरी

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव के सोहरामऊ थाना क्षेत्र के बीकामऊ गांव में शनिवार सुबह एक किसान का शव नीम के पेड़ से लटका मिला। इस घटना से पूरे गांव में सनसनी फैल गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। जानकारी के अनुसार, बीकामऊ गांव निवासी 53 वर्षीय देशराज पुत्र चंद्रिका प्रसाद का शव उनके घर से करीब 100 मीटर दूर स्थित एक नीम के पेड़ पर लटका हुआ पाया गया। सुबह खेतों की ओर जा रहे ग्रामीणों ने सबसे पहले शव देखा, जिसके बाद उन्होंने तुरंत परिजनों और पुलिस को सूचना दी। मृतक देशराज खेती-किसानी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे। उनके तीन बेटे हैं, जिनकी जिम्मेदारी उन्हीं के कंधों पर थी। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल था। ग्रामीणों ने बताया कि देशराज शांत स्वभाव के व्यक्ति थे और गांव में सभी से मिलजुल कर रहते थे। सोहरामऊ थाना पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और शव को पेड़ से नीचे उतरवाकर पंचनामा भरा। शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया गया है। प्रारंभिक जांच में मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है, हालांकि पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। थाना प्रभारी अरविंद पांडे ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि यदि परिजनों की ओर से कोई तहरीर दी जाती है, तो उसके आधार पर विधिक कार्रवाई की जाएगी। परिजनों ने फिलहाल कोई शिकायत दर्ज नहीं कराई है।

जन्नतुल बकी की मजारों के पुनर्निर्माण की मांग, शिया समुदाय ने सौंपा ज्ञापन

जिले में शिया मुस्लिम समुदाय ने मदीना स्थित ऐतिहासिक जन्नतुल बकी कब्रिस्तान की मजारों के पुनर्निर्माण की मांग को लेकर भारत सरकार को ज्ञापन सौंपा। समुदाय के लोगों ने सऊदी अरब सरकार द्वारा मजारों को ध्वस्त किए जाने को धार्मिक आस्था से जुड़ा गंभीर विषय बताते हुए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हस्तक्षेप की अपील की है। समुदाय के प्रतिनिधियों के अनुसार, जन्नतुल बकी कब्रिस्तान में पैगम्बर हजरत मोहम्मद (स.अ.) के परिवारजनों, विशेष रूप से हजरत फातिमा जहरा (अ.स.) और उनके वंशजों की मजारें स्थित थीं। इन्हें वर्ष 1926 में सऊदी अरब के तत्कालीन शासक द्वारा ध्वस्त कर दिया गया था। इस घटना के बाद से विश्वभर के शिया मुसलमानों में आक्रोश बना हुआ है और वे हर वर्ष इस दिन को विरोध दिवस के रूप में मनाते हैं।वक्ताओं ने कहा कि यह मुद्दा केवल धार्मिक आस्था का नहीं, बल्कि ऐतिहासिक विरासत और करोड़ों लोगों की भावनाओं से जुड़ा है। उन्होंने बताया कि पिछले लगभग एक सदी से शिया समुदाय शांतिपूर्ण तरीके से अपनी मांग उठाता आ रहा है।ज्ञापन के माध्यम से समुदाय ने भारत सरकार से आग्रह किया कि वह इस विषय को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उठाए और सऊदी अरब सरकार तक भारतीय शिया समुदाय की भावनाएं पहुंचाए। उन्होंने मजारों के पुनर्निर्माण के लिए सकारात्मक पहल करने की मांग की।इस अवसर पर मौलाना रज़ा अब्बास, मौलाना आबिद अब्बास, ज़हीर अब्बास नकवी, मुर्तजा हुसैन, तजाहिर हुसैन सहित बड़ी संख्या में समुदाय के लोग मौजूद रहे।

PM मोदी बोले- सपा ने नोएडा को बनाया 'लूट का एटीएम'

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के उद्घाटन पर समाजवादी पार्टी और कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। उन्होंने पिछली सरकारों की लापरवाही और भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा सरकार में ही परियोजना पूरी गति से आगे बढ़ी। उन्होंने राजनीतिक एकजुटता और विकास पर जोर दिया।

टीवी भारतवर्ष उत्तर प्रदेश

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के उद्घाटन के मौके पर समाजवादी पार्टी और कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि इस महत्वाकांक्षी परियोजना में वर्षों तक कोई ठोस प्रगति नहीं हुई और यह फाइलों के ढेर में दबा रही। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछली केंद्र और राज्य सरकारों की लापरवाही और भ्रष्टाचार के कारण यह परियोजना वर्षों तक रुकी रही। प्रधानमंत्री ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि 2004 से 2014 के बीच केंद्र में कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार के भ्रष्ट शासन के कारण नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की योजना आगे नहीं बढ़ सकी। उन्होंने इसे विकास और पारदर्शिता की कमी का परिणाम बताया। उन्होंने कहा, "उस दौर में देश की कई योजनाएं केवल कागजों तक ही सीमित रह गई थीं, लेकिन अब हम इन योजनाओं को धरातल पर उतारने में सक्षम हैं।"प्रधानमंत्री ने उत्तर प्रदेश की पूर्व समाजवादी पार्टी सरकार पर भी निशाना साधते हुए कहा कि 2014 में जब केंद्र में भाजपा की सरकार बनी, तब राज्य में सपा की सरकार थी। शुरूआती दो-तीन वर्षों तक समाजवादी पार्टी ने हवाई अड्डे की परियोजना पर काम नहीं होने दिया। मोदी ने कहा, "सपा ने नोएडा को अपनी लूट का एटीएम बना दिया था। यहां विकास और सुरक्षा की बजाय केवल स्वार्थी नीतियां अपनाई गईं।" प्रधानमंत्री मोदी ने बताया कि जैसे ही केंद्र और उत्तर प्रदेश दोनों जगह भाजपा-एनडीए की सरकार बनी, परियोजना को गति मिली। जेवर में अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की नींव रखी गई और तेजी से निर्माण कार्य शुरू हुआ। उन्होंने कहा कि आज वही क्षेत्र न केवल राष्ट्रीय स्तर पर, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी निवेश और रोजगार के अवसर पैदा कर रहा है। मोदी ने पहले के अंधविश्वास और राजनीतिक भय का जिक्र करते हुए कहा कि पहले के सत्ताधारी नोएडा आने से डरते थे। उन्हें कुर्सी जाने का डर था और इस वजह से विकास कार्यों में बाधा आती थी। प्रधानमंत्री ने याद किया कि जब उन्होंने प्रधानमंत्री बनने के बाद नोएडा आने का कार्यक्रम बनाया, तो उन्हें भी कहा गया कि अभी नोएडा मत जाइए। उन्होंने इसे नकारते हुए कहा, "मैं उस धरती का आशीर्वाद लेने जा रहा था, जो मुझे सेवा का अवसर देगी।" प्रधानमंत्री ने कहा कि आज नोएडा क्षेत्र पूरी दुनिया के लिए खुला है और यह क्षेत्र आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को मजबूत कर रहा है। उन्होंने देशवासियों से अपील की कि वे मिलकर वैश्विक संकट और चुनौतियों का सामना करें। उन्होंने कहा, "हमें शांत मन, धैर्य और एकजुटता के साथ इन कठिनाइयों का सामना करना है। यह संकट केवल वैश्विक नहीं, बल्कि हमारे देश के लिए भी चुनौतीपूर्ण है।" प्रधानमंत्री मोदी ने सभी राजनीतिक दलों से आग्रह किया कि वे संकट के समय ऐसी बयानबाजी से बचें जो देश और नागरिकों के हित में नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत सरकार की रणनीतियां हमेशा देश और जनता के हित में बनाई जाती हैं और उसी पर काम किया जाता है।

यूपी में बेमौसम बारिश और ओले, 39 जिलों में अलर्ट जारी

उत्तर प्रदेश में बेमौसम बारिश का दौर जारी है। सुल्तानपुर, रायबरेली और अमेठी में शुक्रवार देर रात ओले गिरे, जबकि प्रयागराज और वाराणसी में भी बारिश हुई। प्रतापगढ़ में आंधी के साथ बरसात ने भारी नुकसान की आशंका जताई। सदर कोतवाली इलाके में अयोध्या-प्रयागराज हाईवे के किनारे लगा यूनीपोल अचानक उखड़कर खड़ी कार पर गिर गया। गनीमत रही कि उस समय कार में कोई मौजूद नहीं था, लेकिन कार का पिछला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया।काशी में तेज हवा की वजह से सड़क के किनारे लगा पेड़ उखड़ गया। चित्रकूट में कुछ जगहों पर गेहूं की फसल गिर गई। खराब मौसम के चलते बेंगलुरु से कोलकाता जा रही एअर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट को लखनऊ एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग कराना पड़ा।मौसम विभाग ने 39 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया है। विभाग के अनुसार, 30 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं। पश्चिमी विक्षोभ (वेस्टर्न डिस्टर्बेंस) के प्रभाव से अगले चार दिनों तक गरज-चमक के साथ बारिश की संभावना है। कहीं-कहीं बिजली गिरने और ओले गिरने की आशंका भी जताई गई है।पिछले 24 घंटे में लखनऊ, कानपुर, सीतापुर समेत 10 जिलों में बारिश हुई। हरदोई में आकाशीय बिजली गिरने से एक किसान की मौत हो गई। तापमान की बात करें तो बांदा सबसे गर्म रहा, जहां अधिकतम 39.8°C दर्ज किया गया, जबकि मुजफ्फरनगर में सबसे कम तापमान 15.8°C रहा।मौसम विभाग ने नागरिकों से सलाह दी है कि वे तेज हवाओं और आंधी-बारिश के दौरान सतर्क रहें और अपने जरूरी वाहन व संपत्ति को सुरक्षित रखें।

आगरा में कारोबारी की 8 साल की बच्ची की हत्या का आरोपी एनकाउंटर में ढेर

टीवी भारतवर्ष आगरा

शहर में 8 साल की मासूम बच्ची की हत्या के आरोपी किराएदार सुनील को शनिवार तड़के 3 बजे एनकाउंटर में ढेर कर दिया गया। डीसीपी सिटी सैयद अली अब्बास ने बताया कि शुक्रवार रात मुखबिर से सूचना मिली कि आरोपी फिरोजाबाद भागने की फिराक में है। तुरंत पुलिस ने घेराबंदी की तो आरोपी ने फायरिंग शुरू कर दी। इस दौरान एक दरोगा को गोली लगी। जवाबी कार्रवाई में आरोपी को भी गोली लगी। उसे तुरंत एसएन मेडिकल कॉलेज ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मुठभेड़ बमरौली कटारा के पास हुई।पुलिस के अनुसार 29 वर्षीय सुनील ने 24 मार्च को जूता कारोबारी के घर की 8 साल की बच्ची की निर्मम हत्या की थी। आरोपी ने बच्ची का गला काटकर उसे मौत के घाट उतार दिया और शव को कनस्तर में बंद कर छुपा दिया। करीब 30 घंटे की कड़ी खोजबीन के बाद पुलिस ने शव बरामद किया। हत्या के बाद आरोपी फरार हो गया और पुलिस ने उस पर 25 हजार रुपए का इनाम घोषित कर दिया था।जांच में यह खुलासा हुआ कि हत्या की वजह किराए को लेकर हुई विवाद और पूर्व धमकी थी। पुलिस ने बताया कि 11 दिन पहले बच्ची के चाचा ने बकाया किराया न देने पर आरोपी को थप्पड़ मारा और कमरे पर ताला लगा दिया था। यह घटना आरोपी को नागवार गुजरी। हालांकि बाद में उसने किराया चुका दिया था, लेकिन आरोपी ने धमकी दी थी कि वह देख लेगा। यही खतरा और नाराजगी उसके मन में बैठ गई और उसने बदले की भावना से यह सनसनीखेज वारदात को अंजाम दिया।डीसीपी सिटी ने कहा कि पुलिस की कड़ी और तेज़ कार्रवाई से एक बड़ी न्यायिक कार्रवाई संपन्न हुई और आरोपी को कानून के शिकंजे में लाया गया। उन्होंने बताया कि एनकाउंटर में गोलीबारी के दौरान पुलिस अधिकारी सावधानी बरत रहे थे और किसी भी आम नागरिक को नुकसान नहीं पहुंचा। पुलिस ने आगे बताया कि आरोपी का पिछला आपराधिक इतिहास और मानसिक स्थिति भी जांच के दायरे में है। मामले की छानबीन अभी जारी है और आरोपी के सभी सहायताकर्ताओं की भी जानकारी जुटाई जा रही है।

अयोध्या में महायज्ञ स्थल में भड़की आग, फायर ब्रिगेड ने समय रहते काबू पाया

टीवी भारतवर्ष अयोध्या

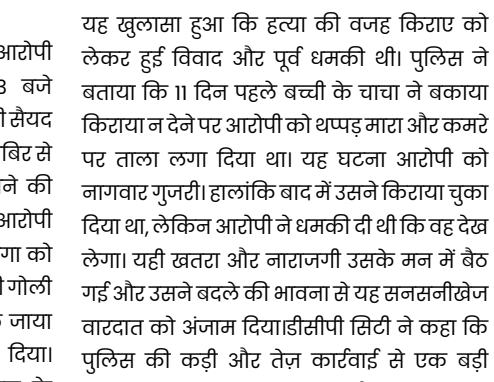

रामनगरी अयोध्या के माझा जमथरा स्थित सरयू किनारे चल रहे महायज्ञ के यज्ञ स्थल पर शनिवार दोपहर अचानक आग लग गई। आग की लपटें फैलते ही यज्ञ स्थल में अफरा-तफरी मच गई। मौके पर फायर ब्रिगेड की टीम छह गाड़ियों के साथ पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर नियंत्रण पाया। प्रशासन और पुलिस के आला अधिकारी भी तुरंत पहुंचे। प्रदेश के परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने भी घटना स्थल का दौरा किया। घटना में किसी के घायल होने या जनहानि की खबर नहीं मिली। जानकारी के अनुसार, माझा जमथरा क्षेत्र के बाटी बाबा स्थान के निकट जीयर स्वामी की ओर से महायज्ञ का आयोजन किया गया था। यज्ञ स्थल बांस, घास-फूस और कपड़ों से भारी भरकम तरीके से तैयार किया गया था। शुक्रवार को यज्ञ का समापन हुआ था और शनिवार को अन्य कार्यक्रमों के आयोजन की तैयारी थी। सुरक्षा व्यवस्था के तहत फायर टेंडर और पुलिस बल भी तैनात थे।शनिवार दोपहर अचानक यज्ञ स्थल के पंडाल में धुएं का गुबार उठने लगा। देखते ही देखते आग की लपटें विकराल हो गईं। उपस्थित श्रद्धालु और कार्यकर्ता इधर-उधर भागने लगे। घटना की गंभीरता को देखते हुए फायर ब्रिगेड ने तुरंत कार्यवाही की। जिला मुख्यालय और अयोध्या मेला ड्यूटी में तैनात लगभग आधा दर्जन फायर टेंडर कर्मियों को मौके पर बुलाया गया। फायर दस्ते ने मिलकर आग पर पूरी तरह काबू पाया और किसी प्रकार की चोट या जनहानि से बचाव सुनिश्चित किया। मौके पर मंडल आयुक्त राजेश कुमार, जिलाधिकारी निखिल टीकाराम फूडे, एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर सहित पुलिस और प्रशासनिक अमला मौजूद था। मुख्य अग्निशमन अधिकारी एमपी सिंह ने बताया कि आग पर नियंत्रण पा लिया गया है और किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। उन्होंने कहा कि आग लगने के कारणों की जांच कराई जा रही है।